Finish 196.5 x 260 mm

# समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मार्च २०१९ • वर्ष ७० • अंक ०३
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

*१० मार्च २०१९ को कोलकाता में आयोजित सम्मेलन के होली प्रीति मिलन सह सम्मान समारोह में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश चंद्र लाहोटी को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान' से नवाजते सम्मेलन के पदाधिकारीगण ; (चित्र में बायें से) सर्वश्री डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, नन्दलाल रुँगटा, श्रीमती कौशल्या लाहोटी, संतोष सराफ, न्यायमूर्ति लाहोटी, सीताराम शर्मा, प्रह्लादराय अगरवाला, राम अवतार पोद्दार एवं अन्य।*

## इस अंक में:

★ *अध्यक्षीय: होली की शुभकामनायें!*

★ *सम्पादकीय : जीवन को रंगीन बनाये रंगोत्सव*

★ *अखिल भारतीय समिति की बैठक*

★ *कर्नाटक प्रादेशिक शाखा का पदभारग्रहण*

★ *होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण*

★ *वायुसेना की जांबाज फाईटर पायलट - प्रतिभा पुनिया*

*३ मार्च २०१९ को हैदराबाद में आयोजित सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में सम्मेलन के पदाधिकारीगण एवं समिति के सदस्य।*

## होली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born
of
black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set
of words to remember.
Start an idea that inspires and
challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

RUPA
FRONTLINE
Yeh aaram ka mamla hai!
FRONTLINE
APNA FRONTLINE
DIKHNE DO
www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com

*With Best Compliments From:*

# ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

***Branches & Associates:***

**GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,**

**BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,**

**VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE**

# समाज विकास

◆मार्च २०१९ ◆वर्ष ७० ◆अंक ०३
◆एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००


## अनुक्रमणिका


| शीर्षक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ● **चिट्ठी आई है** | ५ |
| ● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** जीवन को रंगीन बनाये रंगोत्सव | ७-८ |
| ● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** होली की हार्दिक शुभकामनायें! | ९ |
| ● **रपट :** होली प्रीति मिलन एवं सम्मान समारोह | १२-१३ |
| ● **रपट :** अखिल भारतीय समिति की बैठक | १५-१६ |
| ● **रपट :** कर्नाटक सम्मेलन का पदभारग्रहण | १७ |
| ● **रपट :** तेलंगाना सम्मेलन का सम्मान समारोह | १८ |
| ● **रपट :** श्रद्धांजलि सभा | १९-२० |
| ● **रपट :** डॉ. वी. के. सिंह का राँची आगमन | २१ |
| ● होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण | २२-२३ |
| ● **आलेख :** जांबाज फाईटर पायलट – प्रतिभा पुनिया | २४ |
| ● **आलेख :** राजस्थानी भाषा – डॉ. नीरज दइया | २५-२६ |
| ● समाचार सार / विविध | ३१-३२ |
| ● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत | ३३-३६ |



**स्वत्वाधिकारी**

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**
**All India Marwari Federation**

**प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय** : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
**फोन :** ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**


प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।


## चिट्ठी आई है


B-56, Sector-14,
P.O. Noida (U.P) - 201301
TF : +91 120 251 66 44
Fax : +91 120 435 22 42
E-mail : lahotirc@gmail.com

**R.C. LAHOTI**
Former Chief Justice of India


**13.03.2019**

Dear Shri Saraf,

The function of 10th March was performed well. Mrs. Lahoti and I are delighted to have participated and have returned with very happy memories of the event.

It has been an experience to learn the migrants of Rajasthan so well settled in Kolkata and staying connected so as to preserve the culture and traditions of the place of their birth. The activities of the Federation are praiseworthy. Under its umbrella the Rajasthanis are serving the society and contributed to the building of the Nation.

We are also thankful to yourself and the members of the Federation for taking personal care of us and making us very comfortable.

With Regards to Mrs. Saraf, yourself and all your associates.

Sincerely Yours

R.C. Lahoti

Shri Santosh Saraf,
President,
All India Marwari Federation
4B, Duckback House,
41, Shakespeare Sarani,
Kolkata - 700 017
Telephone: (033) 40044089

## Justice Lahoti's Address Inspiring

At the outset my festive greetings to all members of AIMF.

It was heart warming to listen to Hon. Justice Lahothiji on 10th March 2019. His address to the Marwari Federation and society was something never heard of. It will be very prudent to reproduce his speech by mail to all members and in the forthcoming Samaj Vikas issue.

I am confident that my suggestion will be of immense help to the members and society at large.

**– Sharat Jhunjhunwala**,
Kolkata

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

*"Educate Morally & Technically"* — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

## Hospitality

## Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

## Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

## Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

### Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

## Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

## Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

## Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

# IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

# जीवन को रंगीन बनाये रंगोत्सव

सृष्टि राग और रंगो का खेल है। फागुन माह में यह खेल अपने चरम पर होता है। प्रकृति के मनोहारी व लुभावने रूप को निहार कर जीवों के भीतर राग हिलोरें लेने लगता है। इन हिलोरों का जब वाह्य रूप में प्रस्फुटन होता है तो ये उत्सव का रूप ले लेती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें अपने पूर्वजों का शुक्रगुजार होना चाहिए कि वैज्ञानिक दृष्टि से बेहद उचित समय पर होली के त्यौहार की शुरूआत की। फागुन मास में बौराये आमों की तुर्श गंध और फूलते पलाश के पेड़ों के साथ तन-मन बौरा जाता है। मौसम के बदलाव के कारण लोग आलसी रहते हैं। ठंडा मौसम जब गर्म रूख धारण करता है तो मानव शरीर का सुस्ती महसूस करना प्राकृतिक है। इस सुस्ती को दूर भगाने के लिये इस मौसम में जीव जोर से बोलते हैं। हम जोर से गाते भी हैं। ये सब हमारे शरीर को उर्जा प्रदान करते हैं। रंग और अबीर का भी शरीर पर अनूठा प्रभाव पड़ता है। यह प्रभाव सुकून देनेवाला होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि गुलाल और अबीर पोरों में समा जाते हैं। ये शरीर के आयन मंडल को मजबूती प्रदान करते हैं। फलस्वरूप हमारा स्वास्थ्य बेहतर होता है एवं त्वचा की सुंदरता बढ़ती है। साथ ही शरद ऋतु की समाप्ति एवं बसंत ऋतु के आगमन के संधिकाल में बैक्टिरिया पर्यावरण में बढ़ जाता है। होलिका दहन से तापमान १४५ डिग्री फेरैनहाइट तक बढ़ने के फलस्वरूप ये बैक्टिरिया नष्ट हो जाते हैं।

प्रकृति के जैसे हमारे मनोभाव और भावनाओं के भी अनेक रंग होते है। प्रत्येक व्यक्ति रंगों का फुहार है। अग्नि की तरह हमारी भावनाएँ हमें भस्म कर सकती हैं एवं रंगो की फुहार की तरह हमारे जीवन को आनंद से भरने की क्षमता भी रखती हैं। हमारा जीवन रंगमय होना चाहिए। प्रत्येक भूमिका एवं भावनाओं को अवसर मिलना चाहिए। विविधता में सामंजस्य जीवन को आनंदमय एवं रंगमय बना देता है। इस जगत में रंग किसी भी चीज में नहीं है। पानी, हवा, अंतरिक्ष और पूरा जगत ही रंगहीन है। रंग केवल प्रकाश में होता हैं। **रंग वह नहीं जो दिखता है, बल्कि वह है जो वो त्यागता है। हम जो भी रंग बिखेरेंगे, वही रंग हमारा रंग हो जायगा। हम जो अपने पास रखेंगे वह हमारा रंग नहीं है। इसी तरह जीवन में जो कुछ भी हम देते हैं, वही हमारा गुण हो जाता है।** विशेषज्ञों का कहना है कि उद्विग्न, अशांत व्यक्ति भी रंग-बिरंगे फूलों के बीच बैठकर नया उल्लास पा सकता है। शारीरिक एवं मानसिक स्फूर्ति और उत्तेजना प्रदान करने में रंगो की प्रभावशाली भूमिका के संबंध में मेक्सिको विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने गहन अनुसंधान किया है। निष्कर्ष से पता चलता है कि रंग मात्र नेत्रों को ही सुरुचिपूर्ण नहीं लगते, वरन् उसका प्रभाव मानसिक स्थिति पर भी पड़ता है। रंगों के प्रभाव पर गंभीर अनुसंधान करने वाले सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक हावर्ड कीथ का कहना है कि "उपयुक्त रंग हमें ताजगी, स्फूर्ति प्रदान करते हैं। जबकि अनुपयुक्त रंगो के उद्विग्नता उत्पन्न होनी है और थकान होती है। आहार मे जो महत्व स्वाद का है वही दृष्टि क्षेत्र में रंगो का है।

पश्चिमी देशों मे आजकल कलर थेरेपी का अत्यधिक प्रचलन है। रंग थोड़ा विकृत हुआ तो व्यक्ति पागल हो जाता है। रंग की पूर्ति से व्यक्ति स्वस्थ हो जाता है। बोलचाल की भाषा में भी रंगों को हम जीवन से जोड़कर देखते हैं, जब हम कहते हैं कि जीवन रंगीन है या बदरंग। इस प्रकार होली के अवसर पर रंगो का समायोजन अत्यंत ही वैज्ञानिक है एवं मानव के लिये लाभप्रद है। हजारों वर्षों पहले से स्थापित यह पद्धति हमारे पूर्वजों की ज्ञान एवं विज्ञान में पैठ को दर्शाता है एवं उनके प्रति नतमस्तक हुए बिना नहीं रहा जा सकता। भविष्येतर पुराण मे उल्लेख है कि होली रंग उत्सव के रूप में मनाया जाता था। अबीर, गुलाल और चंदन एक-दूसरे को लगाने की परिपाटी का उल्लेख है। कुदरती रंग टेसू, केसर, मजीठ आदि से होली खेली जाती थी। फूलों की होली का भी कहीं-कहीं उल्लेख मिलता है।

होली रूप, रस, गंध का त्यौहार भी है। होली उत्साह उमंग और प्रेम-पगी छेड़-छाड़ लेकर आता है। वस्तुतः होली के कई रूप-रंग है। कहा गया है – प्रेम के विविध रंग की होली / अद्वैत ढोल-बाजे की होली / जन्म-मृत्यु के पार होली / परब्रह्म ने रचाई होली / अपने संग खेली होली / यह है अंतरात्मा की होली। रंगो का यह त्यौहार एकता के इन्द्रधनुष में भारतीय संस्कृति के रंगो का समुच्चय है।

होली का त्यौहार भारतीय मनीषा का विश्व को अद्‌भुत देन है। होली एक ऐसा त्यौहार है जिसकी सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है। नारद पुराण व भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों में और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से तीन सौ वर्ष पुराने एक अभिलेख मे भी इसका उल्लेख मिलता है। सुप्रसिद्ध मुस्लिम पर्यटक अलवरुनी, जो एक प्रसिद्ध फारसी, विद्वान, धर्मज्ञ व विचारवान थे, ने भी अपनी एक ऐतिहासिक यात्रा संस्मरण में बसंत मनाए जाने वाले होलिकोत्सव का वर्णन किया है। श्रीमद्‌भागवत पुराण में रसों के समूह रास का वर्णन है। भगवान कृष्ण की लीलाओं मे भी होली का वर्णन मिलता है। कालिदास

रचित ऋतुसंहार में पूरा सर्ग ही बसन्तोत्सव को अर्पित है।

होली को भारतीय पर्वों में आनंदोत्सव का सर्वोपरि पर्व कहे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इसे सतरंगी त्यौहार कहते हैं। एक ओर पौराणिक महत्ता, दूसरी ओर साहित्य, संगीत, चित्रकला, सामाजिक समरसता इत्यादि से संबंधित इसकी परम्परायें भी कम महत्वपूर्ण नहीं। मनुष्य इस पृथ्वी, वायु और सागर का हिस्सा है। वायु की दिव्यता को देखा नहीं जा सकता लेकिन इसे महसूस कर सकते हैं। इसी प्रकार की दिव्यता का भान करवाने आता है होली का त्यौहार। साल भर अंकुश में बँधा मन उस एक दिन निरंकुश होने के लिये तैयार रहता है। चाहे वह कबीरा गाये, होली की छेड़-छाड़ हो या भंग-ठंडाई की तरंग हो। होली सबसे खास है क्योंकि इसमे समाज का हर वर्ग रंग में सरावोर होकर उत्साह से भरा दिखता है। इस त्यौहार मे कोई भेद-भाव नहीं होता। होली एकमात्र ऐसा त्यौहार है जो सामुदायिक बहुलता की समरसता से जुड़ा है। इस पर्व में मेल-मिलाप का जो आत्मीय भाव अंतर्मन से उमड़ता है वह सांप्रदायिक अतिवाद और जातीय जड़ता को भी ध्वस्त करता है।

होली को एक रसीला त्यौहार भी माना जाता है। मानव के आपसी संबंध प्रकृति की तरह परवान चढ़ते हैं। उन्मुक्त मन अतिशयोक्तियों मे विचरण करने लगता है। जैसे - सास साली लगने लगती, होली में जेठ कहे भाभी, सूझ ही नहीं पड़ता बिन्नो कि मेरो घरवारो है कि तेरो घरवारो है। इस अवसर पर बिना रंगे ही अनुभूतियाँ मन में करवटें बदलने लगती हैं, भावनाओं को रंगीन बना देती हैं। मौसम में खुमारी छा जाती है। हवाओं में मस्ती तैरती है। फागुन की फगुनाहट से रोम-रोम सिंचित हो जाता है। सबेरा होते ही ढोल-नगाड़े, हुरिहारों की टोलियाँ, झाँझ-मंजीरा, पीतल के छोटी-बड़ी पिचकारियाँ इस पर्व की विशेष पहचान हैं।

मनुष्य के जीवन के सभी पहलुओ को होली अपने रंग से रंग देती है। शास्त्रीय संगीत में धमार का होली से गहरा संबंध है। ध्रुपद, छोटे एवं बड़े ख्याल और ठुमरी मे भी होली के गीतो का सौंदर्य देखते बनता है। बसंत बहार, हिंडोल और कई अन्य ऐसे राग है, जिनमें होली के गीत गाये जाते हैं। उपशास्त्रीय संगीत में चैती, दादरा और ठुमरी में अनेक प्रसिद्ध होलियाँ है। होली के अवसर पर संगीत की लोकप्रियता का अन्दाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि संगीत की एक विशेष शैली का नाम ही होली है। होली पर गाने-बजाने से अपने आप एक वातावरण बन जाता है एवं जन-जन इसके रंग में आकंठ डूब जाता है।

होली का एक अत्यंत ही विशिष्ट रूप है भव्यता एवं दिव्यता। सभी विचार एवं भावनाएँ आत्मा से उत्पन्न होती हैं, जो शरीर के भीतर और बाहर आकाशतत्व के जैसी हैं। विचार एवं भावनाएँ आती हैं और चली जाती हैं, लेकिन जब आप भीतर जाकर स्वयं ही गहन अनुभूति करते हैं तो जीवन में दिव्यता का उदय होता है। ब्रजधाम में राधा और कृष्ण की होली एवं अवध में होली खेले रघुवीरा का विस्तृत वर्णन मिलता है। ब्रज के फाग का वर्णन सूरदास ने कितने सरस ढंग से किया है।

घरि-घरि आनन्द करि, जीवन जानि असार
खाई खेलि हंसि लीजिये, फाग बड़ो त्यौहार

ब्रज की होली में 'होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया, उड़त गुलाल लाल भये बादर' का उल्लेख मिलता है। मंदिरों में पुजारी दर्शनार्थियों पर गुलाल फेकते हैं और भक्तगण इसे ठाकुरजी का प्रसाद समझकर ग्रहण करते हैं। होली के रंगो के साथ-साथ प्रेम के रंग में रंग जाने की चाह ईश्वर को भी है, भक्त को भी है, प्रेमी-प्रेमिका को भी है।

इसी प्रकार मीरा, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, कबीर, विहारी, केशव, धनानंद आदि कवियों के लिये होली अति प्रिय विषय रहा है। सूरदास ने तो बसन्त एवं होली पर ७८ पद लिखे हैं।

भारतीय मंजुषा के इस अनुपम त्यौहार का असली रंग बदरंग हो चला है। इस त्यौहार से जुड़ी उत्सवधर्मिता को जंग लग गया है। आज जब व्यक्तित्वता और निजता की खोज में उन्मुक्तता उच्छृंखलता की हद तक पँहुच गयी है, भाषाएँ, आचार-विचार, व्यवहार सीमाएँ एवं बंधन टूट रहे है, लिहाज की बात दकियानूसी एवं संस्कृति की पोगापंथी मानी जा रही है, ऐसे में होली अपना अस्तित्व खो रही है। दो चुटकी गुलाल लगाकर ही लोग इस त्यौहार की इतिश्री कर लेते हैं। होली मिलन के नाम पर अपनी-अपनी ढपली बजा लेते हैं। परिवार एवं समाज में पहले जैसी सहृदयता का नितांत अभाव हो गया है। वे परिवार एकांकी होते जा रहे है, जहाँ सबसे बड़ी एवं एकमात्र होड़ अब पैसे की होड़ है। इतने प्राचीन एवं इतने अद्वितीय एवं विशिष्ट उत्सव की अनदेखी इस बात का परिचायक है कि मनुष्य होने का सर्वोत्कृष्ट गुण, जो कि भावनाओं के स्तर पर जीया जाता है, का लोप हो रहा है। इस संस्कृति की अनदेखी करने वाले जो समूह स्वयं को प्रगतिशील है एवं उन्नत समझते हैं, उनकी सोच के आगे हतप्रभ हुए बिना नहीं रहा जा सकता। होली विविध रंगो का, असीमित संभावनाओं वाला उत्सव है। इस त्यौहार से अछूता रहना हमार जीवन के ठूंठ होने का परिचायक ही है। आज के इस परिवेश पर गिरीश जोशी की पंक्तियाँ बिल्कुल सटीक बैठती हैं –

हर कोई इंसान यहाँ पर डरा-डरा सा लगता है
चेहरे हैं बेरंग सभी के सूरत से भी मरा-मरा लगता है
जीवन नीरस बना हुआ है कड़वी सबकी बोली है
सारे रंग हुए फीके फीकी सबकी होली है।

इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि होली को विकृत कर दिया गया है। आवश्यकता है कि होली को हम उसका पुराना गौरव लौटा दें। होली से हम स्वयं को अलग करेंगे तो क्षति हमारी है, होली की नहीं।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

# होली की हार्दिक शुभकामनायें!

– सन्तोष सराफ

इस माह हम होली का पावन त्यौहार मनायेंगे। होली बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। अपने गिले-शिक्वे मिटाकर एक-दूसरे से गले मिलने का पर्व है। होली के शुभ अवसर पर मैं सम्मेलन के सदस्यों एवं सभी देशवासियों को होली की शुभकामना प्रेषित करता हूँ। आशा करता हूँ कि होली के रंगों की तरह उनका जीवन सुख, शांति, प्रगति, सौहार्द के रंगों से रंगा हुआ रहे।

पिछले माह मैंने सम्मेलन की निरतंर प्रगति पर प्रकाश डाला था। यह प्रगति अबाध रूप से गतिशील है, जो कि सभी के लिये शुभ संकेत है। पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के तहत २ मार्च २०१९ को बेंगलुरु में कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने पदभारग्रहण किया। इस समारोह में मेरे साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री दामोदर प्रसाद विदावतका, श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी भी समारोह में विशेष रूप से उपस्थित थे। भव्य समारोह के बीच डॉ. सुभाष अग्रवाल ने प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। डॉ. सुभाष अग्रवाल ने अनेक संस्थाओं में विभिन्न गरिमामय पदों को सुशोभित करते हुए महत्वपूर्ण सामाजिक गतिविधियों एवं कार्यक्रमों में अपना उल्लेखनीय अवदान किया है। शहर के वे प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि कर्नाटक प्रांत में समाजबंधुओ को एक सूत्र में पिरोने में एवं उनको परस्पर सहयोग की ओर प्रेरित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। पुनः एक बार मैं उन्हें एवं अन्य सभी पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ एवं उनकी सफलता की कामना करता हूँ। समाजसेवी श्री रमाकान्त सर्राफ ने प्रदेश महामंत्री का पदभार ग्रहण किया।

दिनांक ३ मार्च को तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में अखिल भारतीय समिति की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ ७ प्रादेशिक अध्यक्षों ने भी बैठक में भाग लिया। फलस्वरूप बैठक में विभिन्न विषयों पर सार्थक एवं खुलकर चर्चा हुई।

जून २०१८ में आयोजित वाराणसी अधिवेशन में लिये गये निर्णय के अनुसार संविधान के विभिन्न मुद्दों पर पुनर्दृष्टि डालने के लिये एक समिति गठित की गई थी। इस समिति की बैठक कोलकाता में आयोजित हुई थी। समिति के सुझावों पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने अपनी बैठक में विचार-विमर्श किया था और अंतिम निर्णय के लिये अपने निर्णयों को अखिल भारतीय समिति को प्रेषित किया था। अखिल भारतीय समिति में इन प्रस्तावों को गहन चर्चा के उपरांत आवश्यक संशोधन के साथ पारित किया गया। सम्मेलन के परिपाटी के अनुसार संविधान संशोधन जैसे महत्वपूर्ण मसले को पूर्ण गणतांत्रिक तरीके से निपट ा लिया गया। इसके लिये सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय अध्यक्षों का सहयोग प्राप्त हुआ, जिसके लिये मैं उन सभी का आभारी हूँ। समिति की बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई, जो कि सम्मेलन के भविष्य की दशा एवं दिशा निर्धारित करेंगे।

अखिल भारतीय समिति की बैठक के उपरांत तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सभी दृष्टि से सफल रहा। हैदरावाद के सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री पित्ती इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। पूरे आतिथ्य के लिये मैं तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग, सभी पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ताओं का हृदय से धन्यवाद ज्ञापन करता हूँ। आशा करता हूँ इसी तरह से प्रादेशिक इकाई निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढते जायेगी।

इस वर्ष का होली मिलन समारोह दिः १० मार्च को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। कारण इस कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व पुरस्कार २०१५ के लिये मनोनीत भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश चन्द्र लाहोटी को सम्मानित किया गया। उनका सम्मान करके सम्मेलन स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है। समाज के विभिन्न मुद्दों पर उनके विचार अत्यन्त ही सारगर्भित एवं महत्वपूर्ण हैं। विशेषकर युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता की बात कही। उन्होंने कहा कि इसके लिये पहल हमें करनी होगी। उनकी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गौरव प्रदान किया। उन्होंने करीबन १ घंटे तक के समाज के विभिन्न आयामों पर बोलते हुए सभा में श्रोताओ का ध्यान अपनी और आकर्षित किये रखा। तत्पश्चात एक विशेष कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें भाग लेने विशेष रूप से पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी पधारे थे।

होली मिलन का कार्यक्रम सभी प्रांतो में उल्लास एवं परम्परा के साथ आयोजित होता है। मैं उन सभी कार्यक्रमों की सफलता की कामना करता हूँ।

Comprehensive and Exclusive

# Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

# Subscribe

100% Bargain

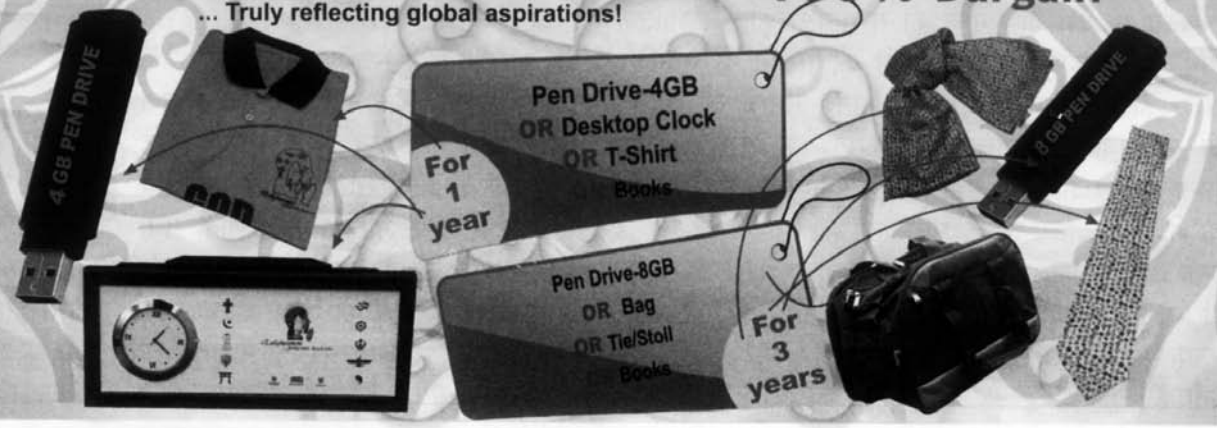


**Subscribe Business Economics :**

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

| Tick | Term | No. of Issues | Price you pay | Gift Value | Saving | US $ | UK £ | Gift Option |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ☐ | 3 Years | 72 | 1440/- | 1440/- | 1440/- | 216 | 144 | ☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books |
| ☐ | 1 Year | 24 | 480/- | 480/- | 480/- | 72 | 48 | ☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150) | 240/- | 150/- | 390/- | - | - | ☐ Exclusively for Students/Institutions |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150) | 240/- | 150/- | 390/- | - | - | ☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS |

**For 1 year Book of choice upto ₹ 480** | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

## Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

**Mail this subscription form along with your Cheque / DD to :** Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

**For Subscription enquiries contact : Kolkata :** Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
**New Delhi :** Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

**Lucky DRAW**

**QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :**
**1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-**

Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL
SOLID STEEL
Superior Technology
Greater Strength
Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

# कमाकर खाना, परिश्रम से धन अर्जन करना मारवाड़ी का मूलभूत सिद्धान्त – न्यायमूर्ति रमेशचन्द्र लाहोटी

## सम्मेलन ने न्यायमूर्ति को सम्मेलन के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा

*दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ करते न्यायमूर्ति श्री रमेश चंद्र लाहोटी।*

**"कमाकर खाना और परिश्रम के बलबूते लक्ष्मी का अर्जन करना मारवाड़ी समुदाय का मूलभूत सिद्धान्त है और इसकी पहली घूँट माँ शैशव अवस्था में ही बच्चे को पिला देती है। सम्पूर्ण विश्व में हमारा देश इसीलिए अद्‌भुत है क्योंकि यहाँ साल का प्रत्येक दिवस मातृ और नारी दिवस है।"** उक्त कथन है सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश **न्यायमूर्ति श्री रमेशचन्द्र लाहोटी का**। वे अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा कला मंदिर सभागार, कोलकाता में आयोजित होली प्रीति मिलन सह सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी एक ऐसी जाति है जो ठोकर खाकर संभलना जानती है। **मारवाड़ी मार्ग में आये हुए पत्थरों से टकराकर लड़खड़ाता नहीं है बल्कि उन पत्थरों को सीढ़ी बनाकर आगे बढ़ता है।** उन्होंने युवा पीढ़ी के साथ बढ़ती खाई का जिक्र करते हुए कहा कि हमें उनके साथ निरन्तर परिचर्चा में रहना चाहिए, क्योंकि उनके पास समय का अभाव है। इससे जेनरेशन गेप खत्म होगा। श्री लाहोटी ने बच्चों को विरासत में धन के साथ-साथ संस्कार देने पर भी बल दिया। करीब ५० मिनट तक दिये गये न्यायमूर्ति के वक्तव्य के दौरान कलामंदिर का खचाखच भरा हाल उन्हें ध्यानपूर्वक सुनता रहा।

समारोह के दौरान न्यायमूर्ति श्री लाहोटी को सम्मेलन का सर्वोच्च सम्मान 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान' भी प्रदान किया गया। सम्मान के तहत पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नन्दलाल रुंगटा** ने माला एवं श्रीफल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने शॉल एवं पगड़ी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने एक लाख की सम्मान राशि का चेक तथा निर्वतमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने मानपत्र प्रदान किया। सम्मान के पश्चात सम्मान राशि के चेक को न्यायमूर्ति ने जनकल्याणकारी कार्यों में लगाने हेतु सम्मेलन को पुनः समर्पित कर दिया। इसके पूर्व श्री लाहोटी का संक्षिप्त परिचय अधिवक्ता **श्री नन्दलाल सिंघानिया** ने दिया। न्यायमूर्ति की धर्मपत्नी **श्रीमती कौशल्या देवी लाहोटी** का सम्मान **श्रीमती प्रभा देवी सराफ** ने किया।

न्यायमूर्ति श्री लाहोटी के हाथों दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का शुभारम्भ हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि हमें अपने

मांगलिक अवसरों पर अपव्य को रोकना चाहिए। इसके लिए हमें निमंत्रण पत्र में ई-कार्ड को बढ़ावा देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पुलवामा में शहीद हुए हमारे वीर जवानों का जिक्र करते हुए कहा कि सम्मेलन ने पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह का व्यापार न करने का प्रस्ताव पारित किया है, हम सबको इसका पालन करना चाहिए।

मुख्य वक्ता सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि हमारे समाज के लिए यह गर्व की बात है कि श्री लाहोटी जी समाज के पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। इससे हमारे समाज का नाम रोशन हुआ है। आज सम्मेलन द्वारा किया जा रहा उनका सम्मान समाज का सम्मान है।

कवियों एवं अतिथियों का स्वागत/सम्मान वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर बिदावतका**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** आदि ने किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का कुशल संचालन राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने किया। धन्यवाद ज्ञापन दिया राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने।

दूसरे सत्र का संचालन करते हुए राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कवियों का परिचय उनकी ही रचनाओं के माध्यम से दिया। राजस्थान के भीलवाड़ा से पधारे कवि **श्री कैलाश मंडेला** ने हाल में पाकिस्तान पर की गई सर्जिकल स्ट्राईक के मद्दे नजर कुछ इस अंदाज में अपनी पैरोडी सुनाई – **तेरे ठस के जवर, तु है मेरे बब्बर, राग भारत की गाई, मजा आ गया। आँख उसको दिखाई मेरे शेर ने, पूँछ उसने दबाई मजा आ गया।**

लखनऊ से पधारी गीतकार **डॉ. सुमन दुबे** ने अपने गीतों से समूचे वातावरण को एक नया रंग दिया। उनके गीत का अंदाज इस तरह था – **थोड़ी तकरार, थोड़ा प्यार लेकर आई हूँ, अंखियों में सपने हजार लेके आई हूँ।**

लखनऊ से ही आये वीर रस के कवि **श्री प्रख्यात मिश्रा** ने सैनिकों की शहादत को यह कहकर सलाम किया कि हमारे सैनिक देश के बारे में कुछ ऐसा सोचते हैं – **बोटी-बोटी कट जाऊँ या इंच-इंच बंट जाऊँ, या तो तिरंगे में लिपट घर आऊँगा या फिर तिरंगा सीमा पार लहराऊँगा।**

कवि सम्मेलन का निराले अंदाज में संचालन करते हुए पद्मश्री से सम्मानित दिल्ली के मशहूर कवि **श्री सुनील जोगी** ने पाकिस्तान को इस तरह ललकारा – **पुलवामा पर हमला करके, पीठ में खंजर घोंप दिया, हम भी ठहरे हिन्दुस्तानी, घर में घुसकर ठोक दिया। अब हर आतंकी की गर्दन पर हमारी सेना का पंजा हो, जो भी घाटी में रहते हैं, सबके हाथ तिरंगा हो।**

कार्यक्रम में सर्वश्री डॉ. जुगल किशोर सराफ, हरि प्रसाद बुधिया, आनन्द अग्रवाल, सज्जन भजनका, रतन शाह, भानीराम सुरेका, शिवकुमार लोहिया, चम्पालाल सरावगी, दिनेश जैन, सम्पतमल बच्छावत, मुरारीलाल खेतान सहित भारी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

*समारोह के दौरान राष्ट्रगान*

ISO 9001 Certified
ORR TECHNOLOGY
SKIPPER
PIPES
"FIXED FOR LIFE"
COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS
CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE
www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

# पाकिस्तान के साथ बंद हो व्यापार : सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीतिनिर्धारक अखिल भारतीय समिति की बैठक मनियार फार्म्स, शम्साबाद, हैदराबाद के रघुनाथमल गोयल सभागृह में ०३ मार्च २०१९ को, तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** के सभापतित्व में आयोजित की गई।

श्री संतोष सराफ ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में सम्मेलन की वर्तमान गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं भावी दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करना समय की माँग है। उन्होंने कहा कि समयांतर में परिस्थितियाँ बदली हैं और आज हमारे समक्ष नयी समस्याएँ हैं। समाज सुधार के मुद्दों के साथ-साथ, समाजबन्धुओं की सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार, संसाधनहीन तबकों की जटिल रोगों में चिकित्सा व्यवस्था आदि सम्मेलन के लिए चिन्तनीय विषय हैं जिनमें से अधिकतर पर हम काम कर रहे हैं।

*दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक का शुभारम्भ करते श्री संतोष सराफ; चित्र में (बायें से) सर्वश्री रामपाल अट्टल, पवन गोयनका, रमेश कुमार बंग, संतोष सराफ, गोवर्धन गाड़ोदिया, श्रीगोपाल झुनझुनवाला एवं विवेक गुप्त।*

राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा करते हुए श्री सराफ ने पड़ोसी देश पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने को कायरतापूर्ण बताया और सीमा पर बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पूरे देश का एकजुट होना अनिवार्य है। **श्री सराफ ने प्रस्ताव रखा कि आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के आलोक में, पाकिस्तान के साथ हर प्रकार का व्यापार बंद कर दिया जाए। सभी उपस्थितों ने इसका सहर्ष समर्थन किया और यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ।**

*हार एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ का सम्मान करते तेलंगाना सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग।*

बैठक में सबसे पहले तेलंगाना प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सभी उपस्थितों का भावभीना स्वागत एवं सम्मान किया गया। सम्मान समारोह का कुशल संचालन तेलंगाना सम्मेलन के महामंत्री **श्री रामपाल अट्टल** ने किया।

अपने स्वागत वक्तव्य में तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री रमेश कुमार बंग** ने अखिल भारतीय समिति के बैठक के आतिथ्य के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी तबकों एवं वर्गों यथा महिलाओं तथा युवक-युवतियों को भी सम्मेलन के साथ जोड़ने का प्रयास रहना चाहिए। सबको साथ लेकर प्रयोजन के साथ आगे बढ़ने पर हमें सफलता अवश्य मिलेगी।

बैठक में अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों पर राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने महामंत्री की रपट प्रस्तुत की।

उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री अशोक जालान**, झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार काबरा**, महाराष्ट्र सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री रमेशचन्द्र गोपीकिशन बंग**, दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री राजकुमार मिश्रा**, कर्नाटक सम्मेलन के अध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल** एवं उत्तराखंड सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री रंजीत कुमार जालान** ने अपनी-अपनी प्रादेशिक शाखाओं की गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया।

*बैठक में (बायें से) कर्नाटक सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री निर्मल काबरा, महाराष्ट्र सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेशचंद गोपीकिशन बंग, उत्तराखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रंजीत कुमार जालान, उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अशोक जालान एवं दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष श्री राजकुमार मिश्रा।*

कार्य सूची के अनुसार राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की संविधान-संशोधन सम्बंधी अनुशंसाओं पर विचार-विमर्श हुआ। उपस्थित सभी प्रादेशिक पदाधिकारियों की क्रमवार राय भी ली गई। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, कार्यकारिणी समिति की सभी अनुशंसाओं को अखिल भारतीय समिति ने पारित किया (ये सारी अनुशंसाएँ समाज विकास के जनवरी २०१९ अंक में प्रकाशित की गई हैं) किन्तु आजीवन सदस्यता का शुल्क रू. २,५००/- से रू. ५,०००/- करने के विषय में निर्णय लिया कि यह तत्काल प्रभाव से लागू न होकर १ जुलाई २०१९ से लागू होगा।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं तेलंगाना के प्रभारी **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने तेलंगाना में बैठक हेतु केन्द्रीय नेतृत्व का एवं बैठक के कुशल प्रबन्धन हेतु तेलंगाना सम्मेलन का आभार व्यक्त किया। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विवेक गुप्त एवं श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका एवं राष्ट्रीय श्री दामोदर बिदावतका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक श्री बसंत मित्तल, महाराष्ट्र सम्मेलन के महामंत्री श्री वीरेन्द्र धोका, सर्वश्री चांदमल अग्रवाल, श्री गोविन्द अग्रवाल, धरमचंद मोदी, गौरीशंकर अग्रवाल, बालकृष्ण माहेश्वरी, श्रवण कुमार काबरा, अजीत कुमार वर्मा, ओमप्रकाश जाखोटिया, बृजगोपाल असावा, बाबूलाल अग्रवाल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाला, राकेश कुमार चोखानी, जगदीश प्रसाद वर्मा, मदन गोपाल व्यास आदि उपस्थित थे।

# फागण

फागण आयो, फागण आयो
गूंजै धूम धमाल रे
तन में मस्ती, मन में मस्ती
गळियां उडै गुलाल रे।

छैला अलबेला मदगैला
रंग-रेलां री लार है
हेलां पर हेला देवै
अधगैला देवै बारंबार है।
आ रे आज्या संग रा साथी
होज्या लालम लाल रे
तन में मस्ती, मन में मस्ती
गळियां उडै गुलाल रे।गोरी

गोरी करै ठिठोली
होवै जोरा-जोरी रे
हर कोई भोळो कान्हो लागै
हर कोई राधा गोरी रे।
रंग उड़ातां, चंग बजातां
मिटसी मनां मलाल रे
तन में मस्ती, मन में मस्ती
गळियां उडै गुलाल रे।

# दक्षिण भारत में सम्मेलन का विस्तार उत्साहवर्धक : संतोष सराफ

*पदभारग्रहण समारोह में (बायें से) सर्वश्री बसंत मित्तल, कैलाशपति तोदी, गोवर्धन गाड़ोदिया, संतोष सराफ, डॉ. सुभाष अग्रवाल, संजय हरलालका, गोपाल अग्रवाल, दामोदर बिदावतका एवं रमाकान्त सराफ।*

देश के १६ राज्यों में अपनी शाखाओं के माध्यम से कार्यरत अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अब दक्षिण भारत में संगठन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में कार्य रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ ने सदस्यता उपसमिति के संयोजक श्री बसंत मित्तल को इस महती कार्य का जिम्मा सौंपा है। इस कार्य में राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, श्री अनिल जाजोदिया एवं श्री पवन गोयनका की सलाह एवं सहयोग के आधार पर वे आगे बढ़ रहे हैं।

इसी कड़ी में कर्नाटक में प्रान्तीय शाखा का मजबूती के साथ न सिर्फ पुर्नगठन हुआ है बल्कि बेंगलुरु जैसी महत्वपूर्ण शाखा भी खुली है। कर्नाटक प्रान्त के नये अध्यक्ष रूप में **श्री सुभाष अग्रवाल** तथा बेंगलुरु शाखा के अध्यक्ष के रूप में **श्री अरुण खेमका** को बेंगलुरू के होटल गोल्डफिन्च में, गत ०२ मार्च २०१९ को, राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने समाज जनों की उपस्थिति में पदभार सौंपा। कर्नाटक प्रान्त के नये अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने श्री रमाकान्त सराफ को प्रान्तीय महामंत्री तथा बेंगलुरू शाखा के अध्यक्ष श्री खेमका ने श्री शिवकुमार टेकरीवाल को शाखा मंत्री के तौर पर मनोनीत किया।

प्रान्तीय अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने अपने संक्षिप्त सम्बोधन में कहा कि सम्मेलन के समरसता के उद्देश्य को कारगर सिद्ध करने हेतु **हमारा मुख्य कार्य मारवाड़ी समाज के लोगों को नये नजरिये से कर्नाटक की जनता के समक्ष लाना होगा।**

एक दिवसीय अधिवेशन सह शपथग्रहण समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि कर्नाटक का मारवाड़ी समाज काफी प्रबुद्ध है एवं एक-एक सदस्य की कार्यक्षमता सौ-सौ के बराबर है। सम्मेलन समाजहित में हर प्रकार से सक्रिय हो इस दिशा में हर सम्भव प्रयत्न करना है। इसके साथ ही राजनीति में सक्रियता बढ़ाने की अपील भी उन्होंने की।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने कहा कि कर्नाटक में जितने भी मारवाड़ी हैं, उनकी संख्या चाहे जितनी हो, किन्तु उनकी कार्य क्षमता अपरिमित है।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने सम्मेलन के ८४ वर्षों के इतिहास पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे सम्मेलन ने समाज के लोगों के अधिकारों की रक्षा की है। इस मौके पर राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी आदि भी उपस्थित थे।

इसके पहले प्रिन्स जैन के मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। **श्री अरूण खेमका** ने अपने स्वागत वक्तव्य में सभी अतिथियों एवं उपस्थित समाज जनों का स्वागत किया। सर्वश्री ओ.पी. पोद्दार, सुनील शाह आदि ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम में ही १५ लोगों ने विशिष्ट संरक्षक तथा अनेकों ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन **श्री बसंत मित्तल** ने किया।

जब तक आपको स्वयं पर विश्वास न हो, आप ईश्वर पर विश्वास नहीं कर सकते!
– स्वामी विवेकानंद

# आडम्बर से बचे मारवाड़ी समाज : शरद बी. पित्ती

**"आज समय की माँग है कि हम हर स्तर से आडम्बर-फिजूलखर्ची पर नियंत्रण के हर प्रयास करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। सामाजिक सुधार के लिए स्वयं से, अपने परिवार से प्रारम्भ करना आवश्यक है।"** ये उद्‌गार हैं सुख्यात पित्ती इंजीनियरिंग सोलूशंस के प्रबंध निदेशक, सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी **श्री शरद बी. पित्ती** ने गत ३ मार्च २०१९ को मनियार फार्म्स, शम्सावाद, हैदराबाद में तेलंगना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित भव्य सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने उद्‌घाटन कर सम्मान समारोह का शुभारम्भ किया और सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों और वर्तमान गतिविधियों के विषय में विस्तार से बताया। तेलंगाना सम्मेलन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से निस्वार्थ समाजहित के कार्य करने वालों को परिचिति मिलती है और दूसरों का भी उत्साहवर्धन होता है, प्रेरणा मिलती है।

समारोह में समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान हेतु हैदराबाद-सिकन्दराबाद नगरद्वय एवं आसपास के समर्पित समाजसेवियों - **सर्वश्री श्रीमती सीए अरुण लुहारुका, पुरुषोत्तमदास मानधना, प्रमोद कुमार केडिया, सीए शान्तिलाल डागा, अशोक कोठारी, अजीत गुप्ता, जिनेन्द्रराज रांका, डॉ. सरोज बजाज, कैलाश डालिया, रमाकान्त इनाणी, कमलनारायण अग्रवाल, डॉ. आर. एम. साबू, सुरेन्द्र लुणिया, श्री राजकुमार मालपाणी, श्रीनिवास बंग, इन्द्र करण अग्रवाल, डॉ. संदीप साबू, विजय कुमार पित्ती, सचिन सोनी, सीए दयानिवास शर्मा, दीपक लड्ढा, सीए ओमप्रकाश लोया, केदारनाथ अग्रवाल, मोतीलाल भलगट, पी.सी. पारख, सीए चन्द्रकान्त अग्रवाल, गोपाल व्यास, बृजगोपाल राठी, गौतम चन्द चोरड़िया, करोड़ीमल अग्रवाल, कन्हैयालाल लोहिया, कैलाशनारायण भांगड़िया, अशोक टिबड़ेवाल, धर्मराज रांका, राजगोपाल परताणी, नेमीचन्द चोरिड़िया, ओमप्रकाश अग्रवाल, बद्रीविशाल लोया, सुरेश कुमार अग्रवाल, गोपाल सोनी, जसमत भाई पटेल, पंकज अग्रवाल, जसराज बाफणा, पुष्पा बूब, अमित अग्रवाल, आर. पूनमचंद पंवार, तरुण कुमार झंवर, सुरेशचन्द्र लाहोटी, नारायणलाल बाहेती, रामदेव नागला, जेनी गुप्ता, सीए मुरली मनोहर पलोड, द्वारका मूँदड़ा 'बंटी', अलका चौधरी, मदनचंद जैन, हरीश डागा, विजय कुमार लोया, सोनिया बिहाणी** एवं **पन्ना माहेश्वरी** का सम्मान तेलंगाना सम्मेलन द्वारा किया गया।

**श्री गोपाल बल्दवा** एवं **श्री अनिल लाखोटिया** समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में स्थानीय मारवाड़ी महिला-पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समारोह के भव्य एवं सफल आयोजन में तेलंगाना सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग, महामंत्री श्री रामपाल अट्टल, सर्वश्री लक्ष्मी निवास सारडा, अमित लड्ढा, गोपाल शर्मा, रामप्रकाश भंडारी, दीपक बंग, जुगल किशोर बर्मा आदि की अग्रणी भूमिका रही।

*सम्मानितों के साथ सम्मेलन के पदाधिकारीगण।*

# जवानों के साथ देश है एकजुट : सीताराम शर्मा
# हर परिस्थिति से निबटने को हैं तैयार : कमांडेंट सुनील कुमार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा पुलवामा में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं भारतीय थल सेना के शहीद जवानों के लिए गत २० फरवरी २०१९ को शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन सभागार में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में सम्मेलन के पदाधिकारियों-सदस्यों के अतिरिक्त केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के प्रतिनिधि के रूप में **कमांडेंट श्री सुनील कुमार यादव** उपस्थित थे।

शहीदों के सम्मान में मौनधारण से सभा का प्रारम्भ हुआ और उसके बाद सभी उपस्थितों ने शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और एकता सर्वोपरि है। आतंकवाद की जटिल अमानवीय विपत्ति का सामना करने के लिए **तात्कालिक एवं दीर्घकालीन सामरिक, कूटनीतिक तथा आर्थिक, सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए एक सोची-समझी रणनीति की जरूरत है जिससे हम स्थायी रूप से इस कोढ़ से निजात पा सकें।** हमें अपनी सेना और अर्धसैनिक बलों पर पूरा भरोसा है और आज पूरा देश शहीद भाइयों के परिवारों के साथ खड़ा है।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजचिंतक **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने वक्तव्य में कहा कि पाकिस्तान अपने विभाजन को स्वीकार नहीं कर पा रहा और वह भारत से सीधी लड़ाई में सक्षम नहीं है, इसलिए इस प्रकार की कायराना हरकतों से हमें घाव देता रहता है। उन्होंने कहा कि **आज देश अपने जवानों के साथ एकजुट खड़ा है और यह आवश्यक है कि अपनी एकता-अखंडता को बनाकर रखा जाए।** श्री शर्मा, जो एक वरिष्ठ कूटनीतिज्ञ भी हैं, ने चीन की भूमिका एवं क्षेत्रीय परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि **यह २१वीं सदी का भारत है और विश्व समुदाय भी हमारे साथ है, पाकिस्तान को हमेशा मुँह की खानी पड़ेगी।**

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के **कमान्डेट श्री सुनील कुमार यादव** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि **हमारे जवान हर परिस्थिति का सामना करने को तैयार हैं, हमारे हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कहा कि देशवासियों का नैतिक समर्थन हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।** पंजाब का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों का समर्थन अगर प्राप्त हो तो असामाजिक या आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण करना आसान हो जाता है। कश्मीर में स्थिति भिन्न है, यहाँ सरकार एवं सुरक्षाबल प्रयास कर रहे हैं कि भटके हुए लोगों को मुख्यधारा में वापस लाया जा सके।

**सभा में शहीद जवानों के परिवारों के आर्थिक सहयोग हेतु धन एकत्रित कर, इसी उद्देश्य से स्थापित 'भारत के वीर कोर्पस फंड' में, दान देने का निर्णय लिया गया।**

सभा के अंत में धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने कहा कि मारवाड़ी समाज स्वतंत्रता-संग्राम एवं राष्ट्र-निर्माण सहित देशहित के कार्यों

# अब तक दिए गए १०.७६ लाख रुपये

**२० फरवरी २०१९ को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में लिए गए निर्णय के अनुसार, गत २८ फरवरी २०१९ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिरीक्षक श्री एस. रवीन्द्रन, आई.पी.एस. के कार्यालय में उनसे मुलाकात कर 'भारत के वीर कोर्पस फंड' के लिए १०,४५,५००/- रुपयों की राशि के चेक सौंपे। २३ मार्च २०१९ को और ३१,०००/- रुपयों की राशि के चेक भेजे गए हैं।**

में सदैव अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों का सम्मान करना एवं इन्हें हर सम्भव मदद करना प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है। उपस्थित सदस्यों की करताल ध्वनि के बीच **श्री झुनझुनवाला ने घोषणा की कि सभास्थल पर ही 'भारत के वीर फंड' के लिए लगभग दस लाख रुपयों की राशि एकत्रित की जा चुकी है।**

सभा में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **श्री रामअवतार पोद्दार** एवं **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री संजय हरलालका** एवं **श्री दामोदर बिदावतका**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया, श्रीमती कादम्बरी शर्मा, सर्वश्री गोविन्द प्रसाद केजरीवाल, जे. पी. अग्रवाल, शिव कुमार बागला, सीताराम शर्मा, रमेश कुमार बूबना, शिव रतन अग्रवाल, विश्वनाथ सिंघानिया, बृजमोहन चिड़ीमार, रतन लाल अग्रवाल, दिनेश कुमार जैन (गंगवाल), संदीप सेक्सरिया, रवि लोहिया** आदि उपस्थित थे और सभी ने अपनी-अपनी श्रद्धा-शक्ति के अनुसार अपनी दान-राशियाँ लिखवाई।

# राँची आगमन पर सम्मेलन द्वारा विदेश राज्य मंत्री डॉ. वी. के. सिंह का अभिनन्दन

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री जनरल डॉ. वी. के. सिंह के राँची आगमन पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने माननीय मंत्री महोदय से राजकीय अतिथिशाला में शिष्टाचार भेंट की।

शिष्टमंडल ने श्री सिंह के साथ पुलवामा हमले और शहीदों के परिवारों को समर्थन सहित राष्ट्र की वर्तमान स्थिति पर विचार-विमर्श किया। श्री सिंह ने मारवाड़ी समाज द्वारा किए जा रहे सेवा-कार्यों एवं राष्ट्र-निर्माण में अग्रणी भूमिका पर प्रसन्नता व्यक्त की। ध्यातव्य है कि गत ९ जून २०१८ को वाराणसी में आयोजित सम्मेलन के २५वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन श्री सिंह के कर-कमलों से ही हुआ था।

शिष्टमंडल में सर्वश्री रतनलाल बंका, बसंत कुमार मित्तल, रविशंकर शर्मा, पवन पोद्दार, कौशल राजगढ़िया, पवन शर्मा, भगवती प्रसाद भुवालका एवं श्रीमती पुष्पा भुवालका शामिल थीं। इस अवसर पर राँची नगर निगम की महापौर श्रीमती आशा लकड़ा विशेष रूप से उपस्थित थीं।

---

# एक आदर्श और प्रेरक विवाह

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन वैवाहिक समारोह रात की बजाय को दिन में करने की बात कहता आया है। यह बात भी हमेशा से उठती रही है कि किसी भी सुधार की प्रक्रिया की शुरूआत धनाढ्य वर्ग से होनी चाहिए। इसी तरह का एक विवाह गत २१ फरवरी २०१९ को हावड़ा में देखने को मिला, जिसे आदर्श एवं प्रेरणाप्रद विवाह की संज्ञा दी जा सकती है।

बालीगंज, कोलकाता के संभ्रान्त चिरानेवाला परिवार के **सुपुत्र देवेश (सुपुत्र श्री संजय कुमार चिरानेवाला) का विवाह श्री महेन्द्र अग्रवाल की सुपुत्री मोना के साथ वैदिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। सिर्फ इतना ही दोपहर के भोजन के पश्चात शाम को वर-वधू की विदाई भी हो गई। सुखद अहसास यह भी रहा कि सम्पूर्ण वैवाहिक रस्म हावड़ा में स्थित पाकुड़ सालासार धाम मन्दिर में सम्पन्न हुई।**

इस विवाह में उपस्थित अखिल मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, उद्योगपति **श्री रविन्द्र चमड़िया, श्री जयदेव प्रसाद रावलवासिया** आदि ने इस विवाह की भूरि-भूरि प्रशंसा की। श्री सराफ ने कहा कि **चिरानिया एवं अग्रवाल परिवार ने समाज के सामने एक उदाहरण पेश किया है।**

# होली में उपाधियों का

| नाम सर्वश्री | उपाधि |
|---|---|
| संतोष सराफ | सम्मेलन का झडा |
| नंदलाल रुँगटा | हर दिल अजीज |
| रामअवतार पोद्दार | संविधान विशेषज्ञ |
| विवेक गुप्त | उपर की छलांग |
| राज कुमार पुरोहित | मिनिस्टर विदाउट पार्टफोलिओ |
| अनिल कुमार जाजोदिया | समय का अभाव |
| श्रीगोपाल झुनझुनवाला | धर्म ध्वजा |
| दामोदर प्रसाद विदावतका | भरोसे का आदमी |
| कैलाशपति तोदी | कायदे आजम |
| भानीराम सुरेका | मन की बात |
| अमित अगरवाला | युवा सम्राट |
| रमेश कुमार बंग | नेक इरादे |
| बिनोद तोदी | अपना राग अपनी ढपली |
| निर्मल कुमार काबरा | मारवाड़ी में बोलो |
| कमलेश कुमार नाहटा | उपस्थिति दर्ज करा दूंगा |
| रामेश चन्द्र गोपीकिशन बंग | इच्छा तो बहुत है |
| मधुसूदन सिकरिया | पूर्वोत्तर का किला |
| नन्द किशोर अग्रवाल | निभा रहा हूँ |
| राज कुमार मिश्रा | दिल्ली का मोर्चा |
| अशोक कुमार जालान | उदीयमान |
| रंजीत कुमार जालान | मै व्यस्त हूँ |
| जय प्रकाश अग्रवाल | समझना बाकी है |
| पुरुषोत्तम सिंघानिया | सहज सरल |
| उमाशंकर अग्रवाल | बहुत कुछ करना है |
| अशोक कुमार जे. मूंधड़ा | नयी डगर |
| डॉ. सुभाष अग्रवाल | नया आसमान |

| नाम सर्वश्री | उपाधि |
|---|---|
| सीताराम शर्मा | चुम्बकीय आकर्षण |
| डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया | आध्यात्मिक ज्ञान |
| प्रह्लाद राय अगरवाला | मैने पारी खेल ली |
| गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया | दौरे पर दौरा |
| विजय कुमार किशोरपुरिया | चमक-धमक |
| पवन कुमार गोयनका | चेन्नई का झंडा |
| संजय हरलालका | मेरी आवाज |
| गोपाल अग्रवाल | भाई साहब |
| रतन शाह | धीर गंभीर |
| श्रीमती उषा किरण तिवड़ेवाल | हम साथ-साथ हैं |
| उमेश गर्ग | नेक इरादे |
| रामपाल अट्टल | कर्मठ |
| महेश जालान | युवा अनुभव |
| सुरेश सोन्थलिया | हिज मास्टर्स वायस |
| सुभाष पगारिया | समय का अभाव |
| बिरेन्द्र प्रसाद धोका | कुछ भी असंभव नहीं |
| राजकुमार तिवाड़ी | जनसेवा |
| शिव कुमार अग्रवाल | पुराना कागज |
| लक्ष्मीपत भूतोड़िया | पर्दे के पीछे |
| विजय कुमार केडिया | सुहृद |
| रंजीत कुमार टिबड़ेवाल | सब ठीक है |
| संदीप कुमार सिंघल | कर्मठ |
| अमर बंसल | युवा जोड़ा |
| ललित मोहन अग्रवाल | बनारसी पान |
| अशोक केडिया | अनुभवी |
| रमाकान्त सराफ | बढ़ते कदम |

# मुक्तहस्त वितरण

| नाम सर्वश्री | उपाधि |
|---|---|
| अमित सरावगी | हंसमुख |
| आनन्द कुमार अग्रवाल | यथा नाम तथा गुण |
| अरुण कुमार सुरेका | रॉयल |
| आत्माराम सोन्थलिया | हितैषी |
| बाबुलाल धनानिया | धोती की पहचान |
| दीनदयाल गुप्ता | खरी खरी |
| धर्म चन्द्र अग्रवाल | रिटायर्ड लाइफ |
| गोविन्द प्रसाद केजरीवाल | मुझे कहना है |
| डॉ. जुगल किशोर सर्राफ | आल इज वेल |
| सम्पत मल बच्छावत | भरोसे का आदमी |
| श्याम लाल डोकनिया | अभी तो मै जवान हूँ |
| अशोक कुमार तोदी | बढ़ते चलो |
| अतुल चुड़िवाल | संस्कृति |
| बनवारीलाल शर्मा (सोती) | रामजी की माया |
| दीपक जालान | कलम तलवार से भी आगे |
| दिनेश कुमार जैन | सांझ से पहले |
| हरि प्रसाद बुधिया | बढ़ते कदम |
| नन्दलाल सिंघानिया | हमारी सरकार |
| पवन कुमार जालान | सुलझे विचार |
| प्रह्लाद राय गोयनका | गंगा की ओर |
| सजन कुमार बंसल | समाजसेवी |
| संदीप फोगला | शिक्षा पर जोर |
| सुदेश कुमार अग्रवाल | आगे बढ़ना है |
| गौरी शंकर अग्रवाल | साथी हाथ बढाना |

| नाम सर्वश्री | उपाधि |
|---|---|
| महेश कुमार भागचन्दका | हमराही |
| नारायण प्रसाद डालमिया | सहयोग |
| पवन कुमार लिल्हा | हिसाब किताब |
| रविन्द्र चामड़िया | बात का धनी |
| सज्जन भजनका | ठोस कदम |
| संतोष कुमार रुँगटा | जेंटलमैन |
| सुबीर पोद्दार | खानदानी |
| कमल नोपानी | व्यवसायिक प्रकोष्ठ |
| बिनय सरावगी | पुरानी पहचान |
| बासुदेव प्रसाद यादुका | यदा-कदा |
| बिजय कुमार डोकनियाँ | मै क्या करता |
| जुगल किशोर जाजोदिया | हम भी साथ है |
| प्रेमचन्द सुरेलिया | सामाजिक दायित्व |
| रमेश कुमार बूबना | एक्सक्लूसिव |
| विश्वनाथ भुवालका | सकारात्मक |
| राम कैलाश गोयनका | उदासीन |
| रतन लाल अग्रवाल | मेरा क्या |
| सरत झुनझुनवाला | अपनी पसंद |
| बसंत कुमार मित्तल | हरफनमौला |
| श्रीमती सुषमा अग्रवाल | यत्र तत्र सर्वत्र |
| पवन कुमार सुरेका | जानकार |
| राज कुमार केडिया | ठोस विचार |
| गणेश कुमार खेमका | मिलनसार |
| चंदूलाल अग्रवाल | हँसमुख |

# आज कुछ भी नामुमकिन नहीं है : प्रतिभा पुनिया

जिस देश में लैंगिक समानता केवल एक शब्द भर है तथा बेटियों को गर्भ में ही मार दिया जाता है, वहीं कन्याभ्रूणहत्या एवं अत्याचार की परिपाटी बन चुकी बेटियाँ एवं महिलाएँ, जब पुरुष-प्रधान समाज की धारणाएँ तोड़ने की जिद पकड़ लें तो महिलाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं होता। **ऐसी ही कहानी है राजस्थान के चूरू जिले से आने वाली भारतीय वायु सेना में फाइटर प्लेन पायलट – प्रतिभा पूनिया।**

कहते हैं ना हर सफलता के पीछे कड़ी मेहनत, लम्बा संघर्ष, परिवार का साथ और कभी नहीं टूटने वाला हौसला होता है। फिर चाहे सफलता की राह में कितनी भी बाधाएँ आएँ। कितनी बार भी असफलता मिले, मगर कामयाबी हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। **संघर्ष जितना ज्यादा होगा कामयाबी भी उतनी ही बड़ी होगी।** इस बात का उदाहरण है राजस्थान के चूरू जिले के सादुलपुर तहसील के गांव नरवासी की बेटी प्रतिभा।

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में हुई परेड के दौरान घुड़सवारी में प्रदेश की ओर से शामिल हुई प्रतिभा ने वायु सेना का कमाल देखकर उसी समय पायलट बनने का निर्णय लिया, उसके लिए इंटरनेट पर जानकारियाँ हासिल करने में जुट गई और बचपन से ही आसमान में उड़ने का सपना देखने लगी। अपने पैतृक गांव नरवासी में हुए सम्मान समारोह में प्रतिभा ने बताया — **छह बार इंटरव्यू में सफलता नहीं मिलने पर सातवें इंटरव्यू में मुझे कामयावी हासिल हुई। आज कुछ भी नामुनकिन नहीं है।** जो सोचते हैं उसके लिए प्रयास जरूरी है। सही तरीके से की गई मेहनत निश्चित तौर पर सफलता दिलाती है। ऐसा कुछ नहीं है, जिसे हम कर नहीं सकते। उन्होंने बताया कि भारतीय वायु सेना में पाँच महिला फाइटर पायलेट हैं। वायु सेना में महिला पायलट के लिए अतिरिक्त सुविधा दिए जाने जैसा कुछ नहीं है। सभी के लिए समान रूप से नियम बने हुए हैं।

प्रतिभा का बचपन से आईआईटी में पढ़ने का सपना था लेकिन प्रवेश परीक्षा में पास नहीं होने के कारण उनका चयन भारत के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थान में नहीं हो पाया लेकिन इस विफलता से वे कहाँ हार मानने वाली थी। कॉलेज में एनसीसी ज्वॉइन की और घुड़सवारी सीखी। उनके सामने सबसे बड़ी समस्या अंग्रेजी की थी। अंग्रेजी सीखने के लिए पूरी मेहनत करनी पड़ी। प्रतिभा की प्रारंभिक शिक्षा गाँव के सरकारी स्कूल में हुई।

प्रतिभा के **पिता पूर्व सैनिक छोटूराम पूनिया** और उनकी **माता उर्मिला देवी** ने बताया कि प्रतिभा जब पैदा हुई थी, तब उन्होंने न केवल थाली बजाई, बल्कि पुत्र के समान दशोठन भी किया था। बड़े-बुजुर्गों ने इसके लिए मना किया, परंतु वे नहीं माने। छोटूराम का कहना है कि **बेटियों को बेटे समान ही समझें, अच्छे संस्कार देवें और उन्हे आगे बढ़ाएँ।** प्रतिभा की मां शिक्षिका उर्मिला देवी ने कहा कि बेटी द्वारा अर्जित सफलता पर उन्हें गर्व है। पढ़ाई के अलावा चित्रकला, संगीत नृत्य में भी उसकी रूचि रही है।

राजस्थान दिवस (३० मार्च) पर विशेष

# रक्त में घुली हुई भाषा राजस्थानी

– डॉ. नीरज दइया

राजस्थानी को अब तक संवैधानिक मान्यता नहीं प्रदान किए जाने की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि युवा पीढ़ी की भाषाई जड़ें ही कटती जा रही हैं। प्राथमिक शिक्षा का माध्यम राजस्थानी नहीं होने से प्रदेश के बच्चों की जड़े कटती जा रही हैं, इसके अभाव में विकास की सारी संभवनाएँ कुंठित होती जाती हैं। उन पर बहुत छोटी उम्र में ही हिंदी और अंग्रेजी का बोझ डाल कर उनके भाषाई संस्कार छिने जा रहे हैं। बढ़ती शिक्षा और बदलती संस्कृति से हमारी नई पीढ़ी एक ऐसे दौर में पहुँचा दी गई है जहाँ अब उनकी स्मृति में तो मातृभाषा है किन्तु वे लोक-व्यवहार में अंग्रेजी और हिंदी के अभ्यस्त होने लगे हैं। किसी भी भाषा में कोई खराबी या कमजोरी नहीं है किंतु वात हमारी मातृभाषा राजस्थानी के विशाल धरोहर को बचाने की है। **यूनेस्को द्वारा इसी उद्देश्य से 'अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' आरंभ किया गया जो विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता का संरक्षण करना प्राथमिकता मानता है। आवश्यकता बहुभाषिता को बढ़ावा देने की है।** मातृभाषा दिवस २१ फरवरी को मनाते हैं किन्तु एक सर्वेक्षण के अनुसार दुनिया में लगभग २५०० भाषाएँ ऐसी हैं, जो खत्म होने के कगार पर पहुँच गई हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि लगभग २५% भाषाएँ तो विश्व में ऐसी हैं जिन्हें बोलने वालों की संख्या एक हजार से भी कम है। ऐसे में हिंदी भारत की मुख्य भाषा है और दुनिया में लगभग ४२.२ करोड़ लोग हिंदी मातृभाषा वाले बताए जाते हैं। आज अंग्रेजी की पौ-बारह पच्चीस है। लगने लगा है कि अंग्रेजी से जुड़ कर हम उच्च वर्ग में शामिल हो जायेंगे। हिंदी समेत सभी भारतीय मातृभाषाओं की स्थिति कमजोर होती जा रही है, ऐसे में राजस्थानी दोहरी मार झेलने को विवश है।

**देश और प्रांत के गठन के समय भाषा का संदर्भ महत्वपूर्ण माना गया है। पंजाब के लिए पंजाबी, गुजरात के लिए गुजराती और महाराष्ट्र के लिए मराठी फिर राजस्थान के लिए राजस्थानी क्यों नहीं?** सवाल यह है कि क्या राजस्थानी भाषा को लुप्त होने दिया जाए या इसे बचाया जाना जरूरी है। यदि बचाना जरूरी है तो इसके लिए हम क्या कर सकते हैं और क्या कर रहे हैं? राजस्थान हमारे देश का सबसे बड़ा भू-भाग और क्षेत्र है जहाँ राजस्थानी भाषा का प्रभुत्व है, साथ ही देश-विदेश में भी राजस्थानी समाज फैला हुआ है। भाषा-विज्ञान में बोलियों और भाषाओं के क्रमिक विकास पर व्यापक विवेचन मिलता है। यह विज्ञान हमें बताता है कि कोई बोली भाषा कब, कैसे और क्यों बनती है। इसके साथ ही वैज्ञानिक और तार्किक आधार भी विद्वानों ने नियत किए हैं। उन सभी आधारों पर खरी उतरने वाली राजस्थानी भाषा के विषय में अब भी भाषा-बोली को लेकर भ्रामक स्थिति फैलाई जा रही है। कहते हैं कि दिन को कोई लालटेन लेकर नहीं दिखा सकता कि देखो यह दिन है, ठीक ऐसे ही यह बताने अथवा कहने की अब आवश्यकता नहीं है कि राजस्थानी एक संपूर्ण और समृद्ध भाषा है। **यह आज की महती आवश्यकता है कि अपने तुच्छ फायदों के लिए युवा पीढ़ी की जड़े इतनी नहीं काटी जाएँ कि वे धड़ाम से नीचे गिर जाएँ। समय रहते यह समझ लेना है कि वे अपनी भाषा, साहित्य और संस्कृति से कट कर कहीं के नहीं रहेंगे। यह अस्मिता और उनके अस्तित्व का जटिल प्रश्न है। इस संबंध में विचार किया जाना चाहिए।**

प्रत्येक भाषा में व्याकरण और भाषिक संदर्भ होते हैं जिनके अभाव में अनेक दोष लोक में धीरे-धीरे व्याप्त होने लगते हैं। बदलते समय और समाज में राजस्थानी लोक-साहित्य और भाषा की समझ नहीं होने के अनेक प्रमाण हम देखते हैं। उदाहरण के लिए राजस्थानी में 'ळ' एक विशिष्ट ध्वनि है किन्तु प्रत्येक 'ल' के लिए 'ळ' प्रयुक्त नहीं होता। बल (ताकत) और बळ (जलना) इसके सहज उदाहरण हैं। अनेक लोकगीत ऐसे हैं जिनका स्वरूप बदलता जा रहा है। रिमिक्स और फ्यूजन के दौर में लोकधुनों की मिठास और परंपरागत कौशल धीरे-धीरे बिसरता जा रहा है। क्या अब भी हम 'कान्या मान्या कुर्र, चलां जोधपुर...' अथवा 'आओ नीं पधारो म्हारे देस...' जैसे कर्णप्रिय गीत सुनकर भीतर तक रसविभोर नहीं होते हैं? जीवन से मरण तक के लोकगीत वाले हमारे समाज में अनेकानेक भावों से हम मुदित और हर्षित होते हुए हमारी इस थाती पर इतराते हैं किन्तु संकट मंडराता साफ देखा जा सकता है। असंख्य पांडुलिपियाँ और ग्रंथ संग्रहालयों की विरासत क्या भविष्य में नष्ट हो जाएगी? ऐसे

अनेक मुद्दे हैं जिनके लिए राजस्थानी भाषा से युवा पीढ़ी और घर-परिवार से जोड़े रखना जरूरी है।

विचार कीजिए जब हम अपनी माँ के गर्भ में थे तब कौन सी भाषा जानते थे? फिर भी हमारे माता-पिता और पारिवारिक जनों ने हमसे संवाद करने के कितने-कितने प्रयास किए! हमारे पैदा होने पर माँ ने हमसे अगर हिंदी में संवाद किया तो हमारी मातृभाषा हिंदी है, और यदि राजस्थानी में किया तो हमारी मातृभाषा राजस्थानी है। बचपन में माँ की गोद और घर-आंगन से हमने भाषा को प्राप्त किया। यदि हम किसी आदिवासी कबीले में पैदा होते तो हमारी भाषा वही होती। प्रत्येक को अपनी भाषा पर अभिमान और गर्व होना चाहिए। **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ और शिक्षा के अधिकार अधिनियम २००९ में मातृभाषा के पक्ष में स्पष्ट प्रावधान होते हुए भी राजस्थान के विद्यार्थियों को उनके मातृभाषा में शिक्षा के अधिकार से वंचित रखना सर्वथा अनुचित और अनैतिक है।** भाषा एवं संस्कृति ही ऐसी जड़ें हैं जिससे हमारे भीतर संस्कार पोषित होते हैं और बालक-बालिकाओं को ऐसी त्रासद स्थिति में देखते हुए भी पूरा राजस्थानी समाज कब तक चुप्पी साधे रखेगा। हमारी भाषा को हमारे घर, परिवार और समाज ने हमें सौंपा है तो इस अपेक्षा के साथ कि इसे हम बचाएंगे और आने वाली पीढ़ियों को सौंप कर मातृभाषा के ऋण से मुक्त होंगे। मातृभाषा से हर आदमी की एक खास पहचान बनती है, हमारी खास पहचान खान-पान से लेकर पहनावे तक में धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है।

राजस्थानी भाषा की आंचलिकता उसकी बोलियों में समाहित है। चार कोस पर पानी और बोली बदलने की बात राजस्थानी पर भी लागू होती है किन्तु संप्रेषण की कहीं कोई समस्या यहाँ नहीं है। कुछ शब्दों और वर्तनी को लेकर जो भिन्नताएँ हैं वे मान्यता मिलने और स्कूली शिक्षा में पूर्ण राजस्थानी के लागू होने पर स्वतः हल हो जाएंगी। राजस्थानी मान्यता के इस संघर्ष में अनेक पीढ़ियों ने अपना-अपना योगदान दिया है। अब भी संघर्ष जारी है किन्तु इसका रूप परिवर्तित होते नजर आने लगा है। युवा पीढ़ी के क्षोभ में यदि समय रहते यह माँग अब भी पूरित नहीं होती तो गांधी जी के सिद्धांतों पर चलने वाले राजस्थान की हवाओं में आँधी आने की संभवाना बनने लगी है। आज राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता के लिए घर-गली-कस्बों और गाँव-गाँव से एक ही आवाज आने लगी है - म्हारी जबान रो ताळो खोलो। राजस्थानी म्हारै रगत रळियोड़ी भाषा है।

भारत की संस्कृति में राजस्थानी का अपना अनूठा रंग है और इसके बिना सभी रंग फीके हैं। राजस्थानी भाषा का सांस्कृतिक रंग इतना अनूठा है कि किसी के आने और जाने दोनों क्रियाओं के लिए एक ही शब्द 'पधारो सा' को बोलने का अंदाज निराला है। हमारे यहाँ दूकान को बंद नहीं मंगळ किया जाता है और दीपक को बुझाने के स्थान पर 'बड़ा करना' शब्द इसकी विशिष्टता दर्शाता है। यहाँ मरण को भी मंगल माना गया है। किसी के निधन के लिए "सौ बरस" कहना अपने आप में हमारे यहाँ निराला है। लोक की यह धरोहर बची और बनी रहे। बिना राजस्थानी की आत्मा को समझे अनजाने में कुछ लोग भूल करते हैं। जैसे बढ़ना और बढ़ाना क्रिया-पद यहाँ हिंदी-अर्थ से इतर अर्थ के हैं। राजस्थानी में ये काटना क्रिया से संबधित है, जबकी इनके हिंदी-भाव को 'बधावां' शब्द प्रयुक्त होता है।

इसी भांति राजस्थानी भाषा की सामासिकता भी बेजोड़ है। उदाहरण के लिए 'बासी मूंढै' में जो अर्थ बिना कुछ खाए सुबह सुबह उठने के बाद की स्थिति और मनोभावों की व्यंजना है वह हिंदी अथवा अन्य भाषाओं में सहज सुलभ नहीं है। एक-एक शब्द के अनेक पर्यायवाची और विभिन्न भावों वाले अर्थों के लिए विशाल शब्द भंडार भी राजस्थानी भाषा की एक अद्वितीय विशेषता है। आज जब पूरा विश्व मातृभाषाओं के पक्ष में है, तो ऐसा कोई कारण नजर नहीं आता कि राजस्थानी के साथ अन्याय हो।

**यह संयोग है कि मेरे रक्त में घुली हुई भाषा राजस्थानी है, जो मुझे मेरी माँ ने अपने स्तनपान के दिनों मुझे विरासत के रूप में दी थी। मुझे मेरी माँ से अत्यधिक प्रेम है तो मुझे मेरी भाषा से भी प्रेम होगा। मेरी माँ ने ही मुझे ऐसे संस्कार और शिक्षा दी है कि दुनिया की तमाम माताओं और मातृभाषाओं का मैं सम्मान करता हूँ। भारत जैसे विशाल देश के लिए हिंदी को जिस किसी रूप में लोकतंत्र ने लागू किया उसे उतने ही मान-सम्मान के साथ मैं स्वयं और पूरे भारत पर लागू किए जाने का पक्षधर हूँ।**

राजस्थानी मेरी आत्मा की भाषा है और हिंदी मेरे पेट का पोषण करती है। अगर राजस्तान से एक आवाज राजस्थानी के लिए उठती है तो दुगने जोश और उत्साह के साथ राजस्थानी समाज हिंदी का भी समर्थन करता रहा है। क्या मेरा मकान यदि पक्का बनता है तो किसी पड़ोसी अथवा मकान जहाँ स्थित है वह मकान अथवा स्थान कमजोर होने का कोई अंदेशा है? **यदि नहीं तो फिर राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता से हिंदी भला कमजोर कैसे होगी? अगर इतिहास के पन्नों में जाएंगे तो मिलेगा कि राजस्थानी को संवैधानिक मान्यता देकर हिंदी को ऋण-मुक्त होना है।**

**(लेखक सम्मेलन द्वारा 'सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान' से विभूषित साहित्यकार हैं।)**

A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX. Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.

So, come join the journey of success.

HARTEX

**Hartex Rubber Private Limited,** 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills,
GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866

www.hartex.in

SUREKA

# Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

**Krishi Rasayan** has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

**It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.**

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

**Krishi Rasayan** specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

**Insecticides:**

**Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.**

**Fungicides:**

**Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc**

**Weedicides:**

**Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.**

**PGR's:**

**6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol**

**Bio-Products:**

**Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.**

# To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.
Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.
Over 72,000
entrepreneurs empowered.
Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.
Kanoria
Foundation
WORK WITH DEVOTION
SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com
Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited
INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

# साधुवाद, हिमाद्रि फाउंडेशन!

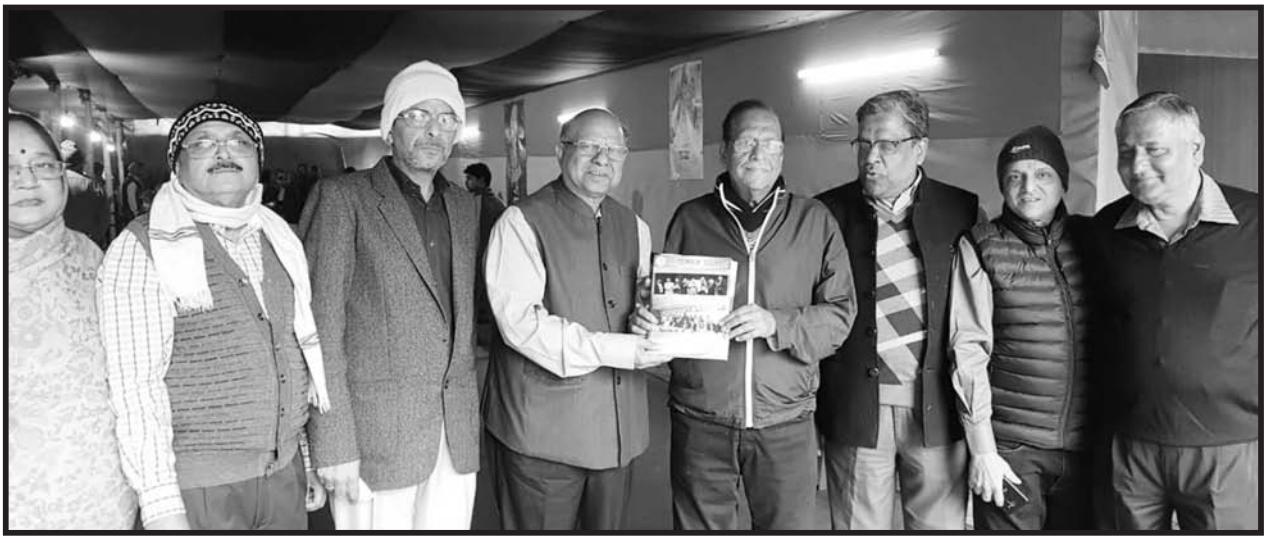

*गत फरवरी २०१९ में प्रयागराज में आयोजित कुम्भ मेले के दौरान सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने संगम-यात्रा की। उन्होंने अत्यंत हर्ष से बताया है कि कोलकाता के हिमाद्रि फाउंडेशन ने कुम्भ मेले में महनीय सेवा-कार्य सम्पादित किए, रोज हजारों लोगों के भोजन, आवास, कम्बल आदि की व्यवस्था की। चित्र में श्री सराफ हिमाद्रि फाउंडेशन के चेयरमैन श्री श्याम सुन्दर चौधरी को 'समाज विकास' की प्रति भेंट करते परिलक्षित हैं। साथ में हैं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं 'समाज विकास' के सम्पादक श्री शिव कुमार लोहिया, सर्वश्री नरेश गनेरीवाल, विमल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, ललन प्रसाद एवं श्रीमती प्रसाद।*

# राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी का काव्यपाठ

*गत ३ मार्च २०१९ को कुमारसभा पुस्तकालय एवं फ्रेन्ड्स ऑफ कोलकाता द्वारा आयोजित एकल काव्य पाठ में अपनी रचनाओं को प्रस्तुत करते हुए पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी। अन्य परिलक्षित है (बाएँ से) सर्वश्री डॉ. तारा दूगड़, महावीर बजाज, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, सज्जन भजनका, राजेन्द्र खम्डेलवाल एवं सज्जन कुमार तुलस्यान।*

# छत्तीसगढ़ सम्मेलन का गणतंत्र दिवस समारोह

*२६ जनवरी २०१९ को गणतंत्र दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा रायपुर के शबरी आश्रम परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सम्मेलन के सदस्य सुरेश अग्रवाल (बालाजी ग्रुप) के सौजन्य से फिज डोनेशन का भी कार्यक्रम किया गया। उक्त कार्यक्रम में सर्वश्री गौरीशंकर जी अग्रवाल (छ.ग. प्रभारी), गोपाल कृष्ण अग्रवाल (आर.एस.एस.एस रायपुर महानगर प्रभारी), पुरूषोत्तम सिंघानिया, अमर बंसल, संतोष तिवारी, सुनील लाठ, नवीन भुषनिया, कमलेश सिंघानिया, नारायण भुषणिया, सुरेश चौधरी, रतन अग्रवाल, प्रवीण मंसौरी एवं शबरी आश्रम के प्रभारी तुलसी जी एवं महेश बिलडा आदि उपस्थित थे।*

**स्वास्थ्य ही धन है**

# हल्दी में है गुणों का पिटारा

हर भारतीय रसोई में पाई जाने वाली हल्दी जहाँ धार्मिक दृष्टि से शुभ व पवित्र मानी जाती है, वहीं इसके औषधीय गुण भी अद्‌भुत व अनगिनत हैं। दाल-सब्जी पकाने में इसका प्रयोग पीला रंग देने के अलावा खाने को स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक बनाने के लिये भी किया जाता है। हल्दी की प्रकृति गरम व शुष्क होती है। इसका प्रयोग लोग नीबू व हरी मिर्च के साथ अचार बनाने के लिए करते हैं।

आयुर्वेदिक व प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा हल्दी का प्रयोग कई बीमारियों में किया जाता है। हल्दी में करकुरियम नाम का तत्व पाया जाता है, जिस कारण हल्दी में किसी भी दर्द को खींचने की अद्‌भुत क्षमता होती है व इसी तत्व के कारण यह एक एंटी ऑक्सीडेंट का काम भी करती है। हल्दी का प्रयोग घर पर छोटी-छोटी बीमारियों में किया जा सकता है। हड्डी टूटने अथवा कोई चोट लगने पर गर्म दूध में हल्दी मिला कर पीने की सलाह तो हम अपने बुजुर्गों से सुनते ही आये हैं, इसके अलावा यदि किसी चोट में से खून बह रहा हो तो हल्दी पाउडर के छिड़काव से अतिशीघ्र लाभ मिलता है। किसी घाव की स्थिति में तेल अथवा घी को हल्दी के साथ गरम करके उस पर लगाने से घाव जल्दी भरता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण भरपूर होते हैं। घाव में कीड़े पड़ने की स्थिति में भी हल्दी पाउडर का छिड़काव फायदेमंद रहता है। हल्दी कीड़ों को मारती है। घर में चावल अधिक मात्रा में खरीद लिए हों तो उनमें भी हल्दी की गांठें रख दें तो कीड़ा नहीं लगता।

दाँतों के दर्द में भी हल्दी व हींग को मिला कर पानी के साथ पीस कर गोली बना कर दर्द वाले दाँत के नीचे दबा दें तो दर्द मिट जायेगा।

यदि मुँह के छालों से परेशान हैं तो पहले गर्म नमक वाले पानी से कुल्ला करें, उसके बाद हल्दी पाउडर व शहद का पेस्ट बना कर छालों पर १० मिनट लगा कर रखें, फिर गरम पानी का कुल्ला दिन में तकरीबन तीन बार करे। दो दिन में छाले ठीक हो जायेंगे।

पेट में गैस का गोला घूमने पर चुटकी भर नमक व हल्दी पाउडर का गुनगुने पानी के साथ सेवन करने से तत्कालीन आराम मिलता है।

त्वचा रोग, श्वास सम्बन्धी रोगों जैसे खांसी, जुकाम, गला खराब आदि में भी गरम दूध के साथ हल्दी की फंकी लेने से आराम मिलता है। हल्दी की चाय पीने से भी फायदा मिलता है।

चेहरे के दाग-धब्बों, झाइयों आदि में भी हल्दी, काला तिल व गरम दूध को पीस कर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ होती है। चेहरे के अनावश्यक बालों को भी बेसन, हल्दी व कच्चे दूध के उबटन से हटाया जा सकता है।

हाथ-पाँव की त्वचा फटने की स्थिति में भी हल्दी व कच्चे दूध का लेप करने से त्वचा मुलायम होती है। पैरों की फटी बिवाईओं में भी हल्दी व तेल के पुल्टिस बना कर उन पर लगा कर पट्टी बांध दें तो तीन रात तक ऐसा करने से पैर की एड़िया मुलायम होने लगती है।

प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा हल्दी का एनिमा कुछ खास किस्म के मलाशय के रोगियों को दिया जाता है। जोड़ों व घुटनों के एवं गंधरसी अर्थात् सायटिका के दर्द में भी हल्दी का प्रयोग लाभकारी होता है।

**('स्वास्थ्य मंजरी' से साभार)**

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री आदित्य धानुका
मे. राहुल कार्बन कमर्शियल प्रा. लि.
५०२, पंचवटी प्लाजा
पाँचवा तल, कचहरी रोड,
राँची - ८३४००१, झारखंड
मो. - ९४३१५७४४७४

श्री राजेन्द्र प्रसाद भोजनवाला
मे. सुरजमल ओंकारमल
सौरभ कुंज, फ्लैट नं.-ए-१
चाँदनी चौक, काँके रोड -
८३४००८, झारखंड
मो. - ९४३११७०१२१

श्री बाबू लाल अग्रवाल
ओ-४०४, द्वितीय तल
सिटी सेन्टर, आई. सी. रोड,
धनबाद-८२६००१, झारखंड
मो. - ७००४२६९५६८

श्री सुशील कुमार अग्रवाल
मे. टेक्नो वाक्सकेम प्रा. लि.
सुट-३सी, हाईटेक चैम्बर्स
८४/१बी, तोपसिया रोड (साउथ)
कोलकाता - ७०००४६
मो. - ९६०१२५५२७०

श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल
मे. प्रेसिडेन्सी नार्सिंग होम्स
(प्रा.) लि., ५५, गरियाहाट रोड
कोलकाता - ७०००१९
मो. - ९३३१०१७३७२

श्री गोपाल चन्द्र अग्रवाल
मे. गर्ग एण्ड कं. (सी ए)
१११, उर्मिला टावर, बैंक मोड़
धनबाद - ८२६००१, झारखंड
मो. - ९४३११२१५८७

श्री नारायण प्रसाद सरावगी
मे. हाईवे रोड कैरियर्स प्रा. लि.
२बी, ग्राव्ट लेन, द्वितीय तल
रूम नं - २१०
कोलकाता-७०००१२
मो. - ९४३३३३२६२६

श्री बजरंग लाल अग्रवाल
मे. चिंतपूरनी स्टील प्रा. लि.
जयसवाल कालोनी
रामगढ़ कैंट - ८२९१२२
झारखंड
मो. - ९४३११४६०४६

श्री ग्यारसीलाल गोयल
मे. श्री बलाजी इंटरप्राईजेज
एफ-१८, अमरावती काम्पलेक्स
सर्कुलर रोड, लालपूर
राँची - ८३४००१, झारखंड
मो. - ९४३११०२४२८

श्री भागचंद पोद्दार
मे. पोद्दार एण्ड संस
मार्केट रोड ईस्ट, अपर बाजार
राँची - ८३४००१, झारखंड
मो. - ९८३५५०२६३०

श्री सुनिल सरावगी
मे. ऑटोनोमस - न्युज फाउंडेशन
गुलमोहर
६सी, मिडलटन स्ट्रीट
कोलकाता - ७०००७१
मो. - ९८३११००१११

श्री निगम कुमार जालान
मे. प्रनेहा प्रमोटर्स प्रा. लि.
२१ई, बी. आर. बी. बासु रोड
कोलकाता - ७००००१
मो. - ९८३१०२२६१३

श्री जय कुमार पाण्डया
मे. जय पाण्डया एण्ड असोसियेट्स
श्री कृष्णा चैम्बर्स, ब्लॉक-बी
७८, बेंटिक्ट स्ट्रीट, युनिट-२सी,
कोलकाता-७००००१
मो. - ९८३००३००३९

श्री विजय कुमार डोकानियाँ
मे. डोकानियाँ एण्ड डोकानियाँ
९/१२, लाल बाजार स्ट्रीट
प्रथम तल, ब्लाक-डी
कोलकाता - ७००००१
मो. - ९४३३०१५८३३

श्री सुशील कुमार गुप्ता
मे. माँ गायत्री ज्वेल्र्स
जी.ई.एल. चर्च कम्पलेक्स
ग्राउन्ड फ्लोर, मेन रोड
राँची-८३४००१, झारखंड
मो. - ९४३११०१२०१

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
मे. गाड़ोदिया इंटरप्राईजेज
मार्केट रोड ईस्ट, अपर बाजार
राँची - ८३४००१, झारखंड
मो. - ९४३१५८२९८९

श्री सीताराम अग्रवाल
२१ई, कैनिंग स्ट्रीट
कोलकाता - ७००००१
मो. - ९८३०१५७१११

श्री राज कुमार अग्रवाल
मे. फ्रांसिस क्लेन एण्ड कं. प्रा. लि.,
ओम टावर, सांतवा तल
३२, चौरंगी रोड,
कोलकाता - ७०००७१
मो. - ९८३१०१५१३८

श्री द्वारका प्रसाद गनेड़ीवाल
मे. परिवार
पी-४, कलाकार स्ट्रीट
कोलकाता - ७००००७
मो. ९८३००४७४९४

श्री प्रदीप कुमार सरावगी
मे. सालासार स्टोक ब्रोकिंग लि.
सुट नं.-३०१, मुक्ति चैम्बर्स
४ए, क्लाईव रो
कोलकाता - ७००००१
मो. - ९८३१०११६१४

**सम्मेलन के सदस्य बनें और बनायें!**

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## संरक्षक सदस्य

श्री बिष्णु कुमार पंसारी
युगल कुंज, रोड नं. - १६
राजीव नगर, पटना - ८०००२४
बिहार
मो. - ७०५०८०८०८०

श्री चिंतन जैन
अठक आवास
११ए, गांधी नगर
वेस्ट बोरिंग कनाल रोड
पटना - ८००००१, बिहार
मो. - ९८३५४७८००८

श्री प्रभु नारायण जालान
मे. जालान क्लाथ हाउस
चित्रा टोली रोड
आरा - ८०२३०१, बिहार
मो. - ८१०२२३९२३५

श्री शंकर लाल राजगढ़िया
मे. श्री राजगढ़िया डिस्ट्रीब्युटर्स
एण्ड सर्जिकल्स, मेन रोड
कटरासगढ़ - ८२८११३
धनबाद, झारखंड
मो. - ८८७३५६०७८४

श्री मनोज मोदी
फ्लैट नं. - १०८
कार्मिक नगर, मोती नगर
सराईढ़ेला-८२८१२७, झारखंड
मो. - ९४३१७११२१९

**सम्मेलन के सदस्य बनें और बनायें!**

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री जग मोहन सरावगी**<br>लेखराज सरावगी रोड<br>पुरुलिया, प. बं. | **श्री संतोष कुमार पोद्दार**<br>भागा बंध पाड़ा<br>पुरुलिया, प. बं. | **श्री संदीप कुमार चौबे**<br>मे. चौबे एण्ड एसोसियेट्स<br>नाम पाड़ा, पुरुलिया,<br>प. बं. | **श्री महेश टाँटिया**<br>मे. टाँटिया टायर्स<br>बराकर रोड, सदर पाड़ा<br>पुरुलिया, प. बं. | **श्री नरेश फोगला**<br>मेन रोड, हेड पोस्ट<br>ऑफिस के अपोजिट<br>पुरुलिया, प. बं. |
| **श्री ओम प्रकाश केजरीवाल**<br>मे. श्री अन्नपूर्णा भण्डार<br>जे. एन. दास माल रोड<br>पुरुलिया, प. बं. | **श्री प्रदीप राठी**<br>राठी बिल्डिंग<br>पुरुलिया, प. बं. | **श्री विजय चौधरी**<br>फ्लैट नं.-४ए, दशहर बंध<br>रोड, पुरुलिया, प. बं. | **श्री स्वागत जालान**<br>मे. श्री श्याम टेक्सटाईल<br>कोर्ट रोड, पुरुलिया, प. बं. | **श्री ओमप्रकाश पंचाड़िया**<br>मे. मेट्रो मेडिकल, टैक्सी<br>स्टैंड, पुरुलिया, प. बं. |
| **श्री चेतन सारायण**<br>झंडेवाला बिल्डिंग<br>१०/१५४, तिलक रोड,<br>उपमार्ग-१, रानीगंज, प. बं. | **श्री प्रतीक सारायण**<br>झंडेवाला बिल्डिंग<br>१०/१५४, तिलक रोड,<br>उपमार्ग-१, रानीगंज, प. बं. | **श्री प्रमोद काजोरिया**<br>तार बंगला, राजपाड़ा<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री अरुण कुमार बाजोरिया**<br>मे. अरुन दाल एण्ड जनरल<br>मिल्स, १४०/१, पी.एन.<br>मलिया रोड, रानीगंज, प. बं. | **श्री सत्यनारायण अग्रवाल**<br>मार्वेलस रेसिडेंट<br>फ्लैट नं-३०१, ब्लाक-ए<br>रानीगंज, प. बं. |
| **श्री पवन बाजोरिया**<br>१४८/१, तिलक रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री रविन्द्र कुमार खेतान**<br>५२/२, एम. सी. रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री अरविन्द कुमार सिंघानिया**<br>९, माँ दुर्गा अपार्टमेंट<br>एन एस बी रोड, रानीगंज,<br>प. बं. | **श्री पवन कुमार लोयल्का**<br>मे. जे. लोयल्का एण्ड कं.<br>१६२, डॉ. बी. बनर्जी रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री जुगल कुशोर गुप्ता**<br>१०१, एन.एस.बी. रोड<br>(वे.), सिरसोल राजबाड़ी,<br>रानीगंज, प. बं. |
| **श्री जतीन सेवक**<br>५३९, रविन्द्र सरणी<br>फ्लैट नं.-२३, कोलकाता | **श्री विकास खेतान**<br>वैष्णव अपार्टमेंट<br>५९, सैलो कुमार मुखर्जी<br>रोड, हवड़ा, प. बं. | **श्री प्रदीप सारायण**<br>१२६, महात्मा गांधी मार्ग<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री सुनील कुमार जैन**<br>सरावगी कम्पलेक्स, एन.<br>एस. बी. रोड, बी-२३<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री सुशील कुमार अग्रवाल**<br>जगन्नाथ विशेश्वर लाल<br>५१, एम.सी. रोड,<br>रानीगंज, प. बं. |
| **श्री सतीश खेमका**<br>मे. खेमका मिनरल्स प्रा. लि.<br>४४, शिशु बागान<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री दीपक कुमार खालोटिया**<br>१०७, एन.एस.बी. रोड<br>आई हास्पिटल के सामने<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री नरेन्द्र कुमार जैन**<br>मे. जैन इलेक्ट्रीकल्स<br>पी/९६, एन.एस.बी. रोड<br>पूर्जवी मोड़, रानीगंज, प. बं. | **श्री रवि शंकर क्याल**<br>पी. एन. मलिया रोड<br>५८, शिशु बागान, मोहल्ला<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री अमित कुमार खेड़िया**<br>तिलक रोड<br>रानीगंज, प. बं. |
| **श्री आदित्य विक्रम केजरीवाल**<br>७, एम. एन. घोष रोड,<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री विकास खेतान**<br>डॉ. कालोनी, रामबागान<br>सिरसौल राजबाड़ी<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री रमेश कुमार मारोड़िया**<br>मे. रामअवतार मारोड़िया<br>८२, जे. एल. नेहरु रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री राजेश सिंघानिया**<br>मे. सिंघानिया वॉच हाउस<br>एम. जी. रोड, रानीगंज,<br>प. बं. | **श्री सजन टिबड़ेवाल**<br>मे. बी.पी. इंटरप्राईजेज<br>एन. एस बी. रोड<br>रानीगंज, प. बं. |
| **श्री नवरतन सतनालिका**<br>मे. बालाजी सेल्स,<br>सस्तीगोड़िया, रानीगंज, प. बं. | **श्रीमती सुशीला देवी बाजोरिया**<br>१६/४, एन.एस.बी. रोड<br>जगन्नाथ गार्डन काम्पलेक्स<br>रानीगंज, प. बं. | **श्रीमती ज्योति बाजोरिया**<br>१६/४, एन.एस.बी. रोड<br>जगन्नाथ गार्डन काम्पलेक्स<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री रमेश कुमार लोयल्का**<br>मे. लोयल्का क्लाथ स्टोर<br>१२८, एम. जी. रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री अनिल तोदानी**<br>१६, जवाहरलाल नेहरू मार्ग<br>रानीगंज, प. बं. |
| **श्री संजय खेतान**<br>मे. पूनम रेडिमेड<br>१, एम. जी. रोड, रानीगंज,<br>प. बं. | **श्री रामगोपाल बाजोरिया**<br>मे. कुसुम ट्रेडिंग कं.<br>१२०/२, तिलक रोड,<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री महर्षी बाजोरिया**<br>मे. कुसूम ट्रेडिंग कं.<br>१२०/२, तिलक रोड,<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री ओम प्रकाश बाजोरिया**<br>१६/४, एन. एस. बी. रोड<br>जगन्नाथ गार्डन कम्पलेक्स<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री मनोज बोगी**<br>द्वारा - पवन शर्मा, रविन्द्र<br>एवेन्यु, रानीगंज, प. बं. |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री कृष्ण कुमार गढ़वाला**<br>६२/१, एन.एस.बी. रोड<br>टॉटिया काम्पलेक्स, प्रथम तल, रानीगंज, प. बं. | **श्री आलोक बगड़िया**<br>मे. कोल्ड स्टोरेज बिल्डिंग<br>एन. एस. बी. रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री संदीप कुमार केडिया**<br>मे. अमित ट्रेडिंग कं.<br>एन.एस.बी. रोड, रानीगंज, प. बं. | **श्री सुनील खेतान**<br>मे. पद्मिनी<br>के/४४, एम. सी. रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री अमित बगड़िया**<br>मे. बी.पी.सेल्स, ५२, एम.<br>जी. रोड, रानीगंज, प. बं. |
| **श्री बिनोद बंसल**<br>मे. बंसल ट्रेडर्स, १४५/३,<br>तिलक रोड, रानीगंज, प. बं. | **श्री अभिषेक बगड़िया**<br>मे. बी.पी. सेल्स, ५२, एम.<br>जी. रोड, रानीगंज, प. बं. | **श्रीमती आशा तोदानी**<br>८६, जवाहर लाल नेहरू<br>मार्ग, रानीगंज, प. बं. | **श्री अनूप कुमार लोहारूवाला**<br>मे. श्री सरोवर<br>३४/१, एन. एस.बी. रोड,<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री विकास कुमार सुराना**<br>पोद्दार कोर्ट, गेट नं.-२<br>रूम नं.-३१९, १८, रविन्द्र<br>सरणी, कोलकाता |
| **श्री रामानंद सिरस्वा**<br>मे. सिरस्वा ब्रदर्स, ४४ए, ए.<br>एस. घाट रोड, कोलकाता | **श्री गौरी शंकर पारीक**<br>न्यु अलिपूर रेसीडेन्सी,<br>डेंजी आई.डी., ४५ए, बूढ़ो<br>शिवतल्ला मेन रोड, कोलकाता | **श्री सांवरा खण्डेलवाल**<br>मे. एवियन इंटरप्राईजेज<br>११५, एम.जी. रोड,<br>कोलकाता | **श्री सुनील अग्रवाल**<br>फ्लैट नं.-२ई, द्वितीय तल<br>गीतांजली गार्डन,<br>कोलकाता | **श्री पित्तर चंद अगरवाला**<br>मे. श्री बालाजी ट्रेडर्स<br>२२१, रविन्द्र सरणी, प्रथम<br>तल, कोलकाता |
| **श्री दिलीप कुमार खेतान**<br>लाल बाजार, इलेक्ट्रीक<br>आफिस के नजदीक, बाँकुड़ा,<br>प. बं. | **श्रीमती रुकमिणी खेतान**<br>३३, तिलक रोड,<br>रानीगंज, प. बं. | **श्रीमती बबीता सराफ**<br>१६/१, एन. एस. बी. रोड<br>जगन्नाथ गार्डन, सागर कुंज<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री शरद जगनानी**<br>मे. शरद जगनानी<br>दाल पट्टी मोड, रानीगंज<br>प. बं. | **श्री नथमल केडिया**<br>मे. सिद्धी विनायक<br>२०/सी, एन. एस. बी. रोड<br>रानीगंज, प. बं. |
| **डॉ. सुभाष चन्द्र दारुका**<br>राम बागान, डॉ. कालोनी<br>रानीगंज, प. बं. | **श्रीमती रजनी दारुका**<br>राम बागान, डॉ. कालोनी<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री विवेक बुचासिया**<br>१२५, पी. एन. मलिया रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्रीमती वाणी खेतान**<br>३, डॉ. एम. एन. घोष<br>रोड, रानीगंज, प. बं. | **श्री मनोज गुप्ता**<br>१०२, एन. एस. बी. (वे.)<br>सिरसौल, रानीगंज, प. बं. |
| **श्री भगवती प्रसाद बाजोरिया**<br>मे. बाजोरिया ट्रेडर्स, रसतला<br>बांकुड़ा, प. बं. | **श्री अरूण कुमार ड्रोलिया**<br>मे. श्री दुर्गा मिल<br>सुभाष रोड, बांकुड़ा, प. बं. | **श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा**<br>नुतनगंज, बांकुड़ा<br>प. बं. | **श्री कमल बाजोरिया**<br>मे. कैलाशनाथ बाजोरिया<br>नुतनगंज, बांकुड़ा, प. बं. | **श्री अशोक कुमार जालान**<br>मे. जालान बिल्डिंग सेन्टर<br>नून गोला रोड, बांकुड़ा,<br>प. बं. |
| **श्री दिलीप कुमार अगरवाला**<br>सावरकर सरणी, रानीगंज<br>मोड़, बांकुड़ा, प. बं. | **श्री रमेश कुमार ड्रोलिया**<br>बालाबक्श कन्हैयालाल<br>नूतनगंज, बांकुड़ा, प. बं. | **श्री प्रमोद ड्रोलिया**<br>द्वारा - बांकुड़ा एग्रो प्रोसेसिंग<br>प्रा. लि., कुचकुचिया रोड,<br>बांकुड़ा, प. बं. | **श्री सचिन अग्रवाल**<br>४३०, प्रोविंसेस रोड<br>बांकुड़ा, प. बं. | **श्री अशोक कुमार अग्रवाल**<br>मे. अशोक कुमार अग्रवाल<br>७५, स्टेशन रोड, बांकुड़ा,<br>प. बं. |
| **श्री विष्णु हरि नाथ**<br>मे. विष्णु साइकिल स्टोर्स<br>रसतला मोड़, बांकुड़ा, प. बं. | **श्री मोहन लाल राठी**<br>मे. महामाया इलेक्ट्रोनिक्स<br>नुतनगंज, बांकुड़ा, प. बं. | **श्री देवी प्रसाद जालान**<br>मे. श्री महाबीर टेक्सटाईल्स<br>बांकुड़ा, प. बं. | **श्री देबी प्रसाद नरसरिया**<br>पोस्ट - केसियाकोले<br>बांकुड़ा, प. बं. | **श्री नरेन्द्र सुरेका**<br>१५, सुभाष रोड<br>बांकुड़ा, प. बं. |
| **श्री रवि शंकर सुरेका**<br>कुचकुचिया रोड<br>बांकुड़ा, प. बं. | **डॉ. शम्भु नाथ सराफ**<br>डोल टोला,<br>बांकुड़ा, प. बं. | **श्री रामौतार अग्रवाल**<br>मे. अभिनंदन<br>पीर सावरकर सरणी<br>बांकुड़ा, प. बं. | **श्री सौमेश्वर शर्मा**<br>सिनेमा रोड, बांकुड़ा<br>प. बं. | **श्री बिनोद कुमार सुरेका**<br>१३, सल्किया स्कूल रोड<br>सुख सागर अपार्टमेंट, हवड़ा |
| **श्री जीवन मल झँवर**<br>द्वारा - जैन मार्बल सेन्टर<br>८/२, बी.बी.डी. बाग (ई)<br>कोलकाता | **श्री हरि किशन भाटी**<br>मे. भाटी तुलसीदास गिरधरलाल<br>७६,पी.टी. पुरुषोत्तम राय स्ट्रीट<br>कोलकाता | **श्री अरुण भरतिया**<br>मे. ए. बी. इंटरप्राईजेज<br>२११, पी. एन. मलिया रोड,<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री राजीव कुमार जैन**<br>मे. युनाईटेड ट्रेडिंग कं.<br>रिद्धी सिद्धी अपार्टमेंट<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री सुरेश कुमार गोयल**<br>६७/६८, बांगुर एवेन्यु<br>ब्लाक-ए, द्वितीय तल<br>कोलकाता |
| **श्री प्रदीप कुमार खेतान**<br>मे. विनायक स्टोर्स<br>२३, जे. एल. नेहरु रोड<br>रानीगंज, प. बं. | **श्री मनोज कुमार सोनी**<br>मे. कॉमन वेल्थ ज्वेलर्स<br>१, हुँमायू प्लेस, कोलकाता | **श्री सज्जन खेतान**<br>मे. ओम राखी उद्योग<br>१/१, जग मोहन मल्लिक<br>लेन, कोलकाता | **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>मे. ओम ट्रेडिंग कं.<br>रास मैदान, पुरुलिया<br>प. बं. | **श्री आनंद केडिया**<br>मे. आनंद इंटरप्राईजेज<br>एल.एम. घोष स्ट्रीट<br>पुरुलिया, प. बं. |
| **श्री श्रीराम सिंघानिया**<br>उपेन बाबू स्ट्रीट, लदर पाड़ा<br>पुरुलिया, प. बं. | **श्री श्रवण कुमार सिंघानिया**<br>यु. बी. स्ट्रीट, मुनसिक दंगा<br>वार्ड नं.-२, हाउस नं.-४<br>पुरुलिया, प. बं. | **श्री संजय कुमार बैद्य**<br>मे. एनजेन एक्सपोर्टस<br>१५७, शरत बोस रोड<br>कोलकाता | **श्री कुंज बिहारी अग्रवाल**<br>कैरवाली रोड, ग्रीनउड प्रिमियम<br>ब्लाक-एफ, फ्लैट-५०३<br>कोलकाता | **श्री अरूण भुतोड़िया**<br>मे. श्री बालाजी कोल ट्रेडर्स<br>लि., २३ए, नेताजी सुभाष<br>रोड, रुम नं-६, कोलकाता |
| **श्री मनदीप तोलसरिया**<br>सुवेनियर इंक्लेव फ्लैट-१डी<br>८/१, जेसोर रोड, कोलकाता | **श्री मनोज चमड़िया**<br>मे. मेंस वीयर, ५४५, जी.<br>टी. रोड, हिंद अपार्टमेंट<br>हवड़ा | **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>मिट्ठु रोड, बैंक मोड़<br>धनबाद, झारखंड | **श्री अनिल डालमिया**<br>डालमिया भवन, धनसर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री बिनोद कुमार अग्रवाल**<br>अकांक्षा भवन, कृष्णा<br>कटरा, बैंक मोड़, धनबाद<br>झारखंड |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

| आजीवन सदस्य | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री आर. बी. गोयल**<br>६, बालाजी मैजेस्टिक<br>द्वितीय तल, बैंक मोड़<br>धनबाद, झारखंड | **श्री राजेश कुमार सिंघल**<br>द्वारा - सिंघल चेतानी एण्ड कं.<br>अम्बिका चेम्बर, बैंक मोड़<br>धनबाद, झारखंड | **श्री अरूण कुमार अग्रवाल**<br>पो. गोविन्दपूर, धनबाद<br>झारखंड | **श्री अनिल कुमार मूकिम**<br>ओ-४०७ए, सिटी सेन्टर<br>धनबाद, झारकंड | **श्री राजेन्द्र कुमार बंसल**<br>पो. गोविन्दपूर, धनबाद<br>झारखंड |
| **श्री कृष्णा कुमार गुप्ता**<br>श्याम विकास कालोनी<br>जी.टी. रोड, गोविन्दपुर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री दीपक कुमार रितोलीया**<br>मे. अंकित लाईक स्टाईल<br>पार्क मार्केट, धनबाद,<br>झारखंड | **श्री राजेश कुमार रितोलिया**<br>द्वारा-३०१, श्री राम<br>प्लाजा, बैंक माड़,<br>धानबाद, झारखंड | **श्री गोविन्द प्रसाद दुदानी**<br>जी.टी. रोड, गोविन्दपुर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री नरेन्द्र कुमार पसारी**<br>११०, भुवनेश्वरी रेसीडेन्सी<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री विकास कुमार भुवानियाँ**<br>केन्दुआ बाजार, कुसुन्डा<br>धनबाद, झारखंड | **श्री दीपक कुमार रूईया**<br>९/ए, प्रथम तल, जनता<br>मार्केट, बारटंड, धनबाद,<br>झारखंड | **श्री केशव कुमार कानोड़िया**<br>फ्लैट नं.-२०१ए, सुमिता<br>अपार्टमेंट, धनबाद, झारखंड | **श्री बिनोद कुमार पसारी**<br>मे. बी.के. पसारी एण्ड कं.<br>१०३, इंडस्ट्रीज हाउस,<br>बैंक मोड़, धनबाद,झारखंड | **श्री मनीष कुमार**<br>३२४, श्रीराम प्लाजा<br>बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड |
| **श्री दीपक कुमार वर्मा**<br>३२, श्रीराम प्लाजा<br>तीसरा तल, धनबाद, झारखंड | **श्री गोपाल शर्मा**<br>३२६, श्री राम प्लाजा<br>तीसर तल, बैंक मोड़<br>धनबाद, झारखंड | **श्री ललीत कुमार झुनझुनवाला**<br>३२०, श्रीराम प्लाजा,<br>तीसरा तल, बैंक मोड़<br>धनबाद, झारखंड | **श्री पंकज कुमार केजरीवाल**<br>फ्लैट नं.-२०१, द्वितीय तल<br>पंडित क्लिनीक रोड<br>धनबाद, झारखंड | **श्री धनराज अग्रवाल**<br>गुरुद्वारा चैक, बरगढ़<br>ओडिशा |
| **श्री राज कपूर बंसल**<br>मे. दिशा हेलो प्वाइंट<br>नगाँव, राजगलपुर<br>बलाँगीर, ओडिशा | **श्री सुनील कुमार अग्रवाल**<br>नगाँव, राजगलपुर,<br>बलाँगीर, ओडिशा | **श्री किशन कुमार अग्रवाल**<br>नगाँव, राजगलपुर, बलाँगीर,<br>ओडिशा | **श्री अनिल कुमार अग्रवाल**<br>नगाँव, राजगलपुर,<br>बलाँगीर, ओडिशा | **श्री कपूर चंद अग्रवाल**<br>अगलपुर राज, बलाँगीर,<br>ओडिशा |
| **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>अगलपुर राज, बलाँगीर,<br>ओडिशा | **श्री अशोक अग्रवाल**<br>अगलपुर, बलाँगीर<br>ओडिशा | **श्री गुलाप चंद अग्रवाल**<br>अगलपुर, बलाँगीर<br>ओडिशा | **श्री नबीन अग्रवाल**<br>लामुंडा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री सजन कुमार अग्रवाल**<br>लामुंडा, बरगढ़<br>ओडिशा |
| **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>मे. भगवती ट्रेडर्स, लामुंडा,<br>बरगढ़, ओडिशा | **श्री राम गोपाल अग्रवाल**<br>तुहीलामल, लामुंडा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री बिनोद कुमार अग्रवाल**<br>लामुंडा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री बिजय कुमार मित्तल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री रतनलाल जैन**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा |
| **श्री जयप्रकाश अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री उमेश कुमार अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री सत्यनारायण अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री सरोज कुमार अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री राजेन्द्र कुमार जैन**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा |
| **श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री श्याम लाल अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **डॉ. रामकैलाश अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री बिनोद कुमार अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री सुरेश कुमार अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा |
| **श्री राजेश अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री रामनारायण अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री श्याम कुमार अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री सावरमल बंका**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री प्रदीप कुमार बंका**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा |
| **श्री रविशंकर बंका**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री जयप्रकाश बंका**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री गणेश प्रसाद अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा |
| **श्री बिकाश कुमार अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री ललित मोहन राजुका**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री सुरेन्द्र कुमार बंसल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री दिलीप कुमार बंका**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा |
| **श्री जैसुक अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री नरेश अग्रवाल**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री राकेश अग्रवाल (कान्हा)**<br>अत्तावीरा, बरगढ़<br>ओडिशा | **श्री अनिल मोदी**<br>मे. मोदी फर्मास्युटीकल्स<br>बलाँगीर, ओडिशा | **श्री आशीष कुमार चौधरी**<br>मे. विद्या एजेन्सी<br>बलाँगीर, ओडिशा |

# SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
  - **Radiology**
    - Digital X-Ray
    - Ultrasonography
    - Colour Doppler Study
  - **Cardiology**
    - ECG
    - Echo-Cardiography
    - Echo-Colour Doppler
    - Holter Monitoring
    - Treadmill Test (TMT)
    - Pulmonary Function Test (PFT)
  - **Neurology**
    - EMG
    - NCV
    - EEG
  - **Gastro Enterology:**
    - UGI Endoscopy
    - Colonoscopy

- **Dental General & Cosmetic**
- **Sleep Study (PSG)**
- **Eye Care Clinic**
- **Ent Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Consultation with leading Specialists**
- **Physiotherapy**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Comprehensive Health Check-up Programmes**
- **Diabetes Care Clinic**

## Home Blood Collection

**(033) 4021-2525, 98300 19073, 97481 22475**

**98300 19073**

**Consultation | Diagnostics | Dentistry | Health Checks**

Apollo Clinic
*Expertise. Closer to you.*

## The Apollo Clinic

P-72, Prince Anwar Shah Road, Kolkata-700 045
Email : pashahroad@theapolloclinic.com

CENTURYPLY®
CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
STARKE
NEW AGE PANELS
SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR
For any queries, SMS 'PLY' to 54646 or call us on 1800-2000-440 or give a missed call on 080-1000-5555
E-mail: kolkata@centuryply.com | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | Centuryply1986 | Visit us: www.centuryply.com

Dollar
Bigboss
PREMIUM INNERWEAR
Fit Hai Boss
HE SPREADS
HIS WINGS
FOR INDIA TO FLY
www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 27th March 2019
RNI Regd. No. 2866/1968


# LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

**COMFORTS & CONVENIENCES**
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

**SENIOR-FRIENDLY**
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

**SECURITY**
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

**HEALTHCARE**
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by
infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022


From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com